ज्येष्ठ शुक्ल - 14 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 311 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 10-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 तेजस्वी ने पत्र का जवाब नहीं देने के लिए नीतीश पर निशाना साधा
6 गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो
7 अनुराग कश्यप ने 'सास-बहू' सीरियल्स का उड़ाया मजाक

फर्स्ट टेक

आतंकवाद संबंधी चिंताओं के समाधान होने तक भारत सिंधु जल संधि पर बातचीत नहीं करेगा : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के साथ तब तक कोई बातचीत नहीं करेगा, जब तक कि आतंकवाद के संबंध में नई दिल्ली की चिंताओं का समाधान नहीं हो जाता और संधि को पूरी तरह से नया रूप नहीं दे दिया जाता। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा ने कई बार भारत से सिंधु जल संधि को स्थगित करने के निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने पाकिस्तान के किसी भी पत्र का जवाब नहीं दिया है। भारत का कहना है कि जब तक आतंकवाद के संबंध में नई दिल्ली की चिंताओं का समाधान नहीं हो जाता और संधि को पूरी तरह से नया रूप नहीं दे दिया जाता, तब तक वह पड़ोसी देश के साथ किसी भी तरह से बातचीत नहीं करेगा।

'शत्रु राष्ट्रों' से यूक्रेन को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में अभूतपूर्व वृद्धि : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस की खुफिया संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा है कि शत्रु राष्ट्रों से यूक्रेन को हथियार और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में अभूतपूर्व बढोतरी हुई है। एफएसबी के एक प्रतिनिधि ने सोमवार को एक वीडियो संबोधन में यह जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि एक अक्टूबर, 2023 से अब तक रूसी कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने देश से ड्रोन, ऑप्टिकल, विमानन और अन्य उपकरणों के अवैध निर्यात के 236 मामलों को रोका है। उन्होंने यह भी कहा कि कीव को विमान के पुर्जों की अवैध आपूर्ति में शामिल यूक्रेनी और पश्चिमी नागरिकों के समूहों की गतिविधियों को 2024 में बार-बार रोका गया।

भारतीयों के सऊदी अरब की यात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारतीयों के सऊदी अरब जाने पर रोक की खबरें गलत हैं और सऊदी सरकार ने इस मामले में कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि सऊदी सरकार ने भारतीयों की वहां की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सूत्र ने कहा, ''हज के समय के दौरान, भीड़भाड़ से बचने के लिए आमतौर पर अल्पकालिक वीजा पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए जाते हैं, जो हज यात्रा संपन्न होने के साथ ही समाप्त हो जाते हैं।''

श्रीअन्न की वैश्विक पहचान बनानी होगी : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोटे अनाज की विश्व स्तर पर पहचान स्थापित करने की कोशिश करने का आह्वान करते हुए कहा है कि तेलंगाना का श्री अन्न अनुसंधान संस्थान पूरी दुनिया को दिशा देगा।

चौहान विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को तेलंगाना पहुंचे और किसानों तथा वैज्ञानिक समुदाय से संवाद किया। उन्होंने रंगारेड्डी जिले में किसानों के नवाचार को देखा और कहा कि राज्य में पाम की खेती बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रयास कर रही है। देश में भी अनुसंधान किये जा रहे हैं और विदेशों के भी सफल अनुसंधान किसानों तक पहुंचाने की कोशिश की जायेगी। सरकार एकीकृत खेती के मॉडल विकसित करने पर जोर दे रही है।

उन्होंने हैदराबाद में भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में श्रीअन्न वैश्विक उत्कृष्ट अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि पोषण के लिए श्रीअन्न 'सुपर फूड' है और धरती के लिए यह वरदान भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मार्च 2023 को भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र रूप में उन्नयन करने की घोषणा की थी। आज इसी कड़ी में 250 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस भवन का शिलान्यास किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय ज्ञान और कौशल विकास के रूप में कार्य करेगा।

चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही सरकार का उद्देश्य है। विकसित भारत के लिए उन्नत खेती और समृद्ध किसान जरूरी है।

भाजपा सरकार के कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने कहा

सर्वांगीण प्रगति के लिए संवेदनशीलता के साथ युगांतरकारी परिवर्तन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है।
- हम आशा तथा विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 11 वर्षों के कार्यकाल में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक जन-केंद्रित, समावेशी तथा सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है और संवेदनशीलता के साथ युगांतरकारी परिवर्तन किए हैं।

केन्द्र में राजग सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोमवार को प्रधानमंत्री तथा वरिष्ठ मंत्रियों के साथ-साथ सत्तारूढ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी सरकार की उपलब्धियों का जोर शोर से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। उन्होंने कहा कि देश को इस सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा तथा विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय में

आरसीबी और डीएनए की याचिकाओं पर सुनवाई आज

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय बेंगलूरु के स्टेडियम के पास भगदड़ की घटना के मामले में आरसीबी और डीएनए के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को चुनौती देने वाली उनकी यचिकाओं पर 10 जून को सुनवाई करेगा। आईपीएल के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए चार जून को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में लोग जमा हुए और भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई। आरसीबी और समारोह आयोजित करने वाली कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट ने भगदड़ कांड में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। आरसीबी के मालिक रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स लिमिटेड (आरसीएसएल) ने तर्क दिया है कि उसे इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। याचिका के अनुसार, आरसीएसएल ने दावा किया कि उसने सोशल मीडिया पर स्पष्ट रूप से बताया था कि केवल सीमित पास ही उपलब्ध हैं। उसने यह भी कहा कि मुफ्त पास से प्रवेश के लिए भी पूर्व पंजीकरण अनिवार्य था। उसने आरोप लगाया कि स्टेडियम के गेट, जो दोपहर 1.45 बजे खुलने चाहिए थे, वास्तव में अपराह्न तीन बजे खोले गए, जिससे भीड़ बढ़ गई। इस बीच डीएनए ने अपनी याचिका में कहा कि पुलिस के भीड़ प्रबंधन में विफल रहने के कारण यह घटना हुई। उसने यह दावा भी किया कि अधिकांश पुलिसकर्मी विधान सौध में तैनात थे, जिससे स्टेडियम में भीड़ उमड़ने के बावजूद पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी नहीं थे। महाधिवक्ता शशिकिरण शेट्टी ने अदालत से अनुरोध किया कि भगदड़ मामले से संबंधित सभी याचिकाओं पर 10 जून को एक साथ सुनवाई की जाए। अदालत ने आपत्तियां दर्ज करने के लिए समय देने पर सहमति जताई।

एक्सिओम-4 मिशन को कल तक स्थगित : इसरो

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार शाम को बताया कि मौसम की स्थिति के कारण भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन को 11 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के लिए कंपनी 'स्पेसएक्स' के फाल्कन-9 रॉकेट को मंगलवार शाम को अमेरिका में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से उड़ान भरनी थी। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, ''मौसम की स्थिति के कारण, भारतीय गगनयात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 जून 2025 के बजाय 11 जून 2025 के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रक्षेपण का लक्षित समय 11 जून 2025 को (भारतीय समयानुसार) शाम 5:30 बजे है।'' शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा से 41 वर्ष बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी हो रही है। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करके इतिहास रचा था।

सोनम ने ही कराई थी अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या : मेघालय पुलिस

पांच लोग पकड़े गए, सोनम ने ही भाड़े के हत्यारे बुलाए थे

- सोनम ने उत्तर प्रदेश के नंदगंज थाने में आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/इंदौर/लखनऊ/झांसी/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या में कथित रूप से उसकी पत्नी शामिल थी, जिसने भाड़े के हत्यारे बुलाए थे। मेघालय की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई नोंगरांग ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सोनम के पिता ने अपनी बेटी के बेगुनाह होने का दावा किया है जबकि राजा के भाई ने कहा कि अगर सोनम दोषी पाई जाती है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

डीजीपी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राजा की पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जबकि रातभर की छापेमारी के बाद तीन अन्य हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये तीन लोगों में से दो मध्यप्रदेश के इंदौर और एक उत्तर प्रदेश के ललितपुर का निवासी है। 'पीटीआई-वीडियो' के अनुसार, पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सायम ने बताया कि सोमवार को मध्यप्रदेश के सागर जिले से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

राजा (29) और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को सोहरा इलाके के नोंगरियात गांव में एक 'होमस्टे' से निकलने के कुछ घंटे बाद ही लापता हो गए थे। राजा का शव दो जून को गांव से 20 किलोमीटर दूर एक खाई में मिला था। उन्होंने बताया, ''एक आरोपी को उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया और दो अन्य आरोपियों को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इंदौर से पकड़ा।'' नोंगरांग ने बताया, ''सोनम ने उत्तर प्रदेश के नंदगंज थाने में आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।'' डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने खुलासा किया है कि सोनम ने रघुवंशी की हत्या के लिए उन्हें भाड़े पर बुलाया था।

'पीटीआई वीडियो' के अनुसार पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''गिरफ्तार किया गया पहला व्यक्ति आकाश राजपूत (19) उत्तर प्रदेश के ललितपुर से था। दूसरा विशाल सिंह चौहान (22) और तीसरा राज सिंह कुशवाहा (21) मध्यप्रदेश के इंदौर से था।'' पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''सोनम रघुवंशी फिलहाल पुलिस हिरासत में है।

मोदी सरकार ने 11 साल में सिर्फ सपने बेचे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल के कार्यकाल को कमजोरों पर हिंसा, अपमान और भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा है कि इस दौरान कहीं जवाबदेही नहीं रही और न कहीं कोई बदलाव हुआ है लेकिन प्रचार जमकर चलता रहा है।

गांधी ने कहा कि 11 साल तक बिना किसी जवाबदेही के काम करने वाली मोदी सरकार सिर्फ बातें कर खूब प्रचार करती है और जुमलेबाजी करती रही है। हालात यह है कि सरकार अब 2025 पर बात करना छोड़, 2047 के सपने बेच रही है। इस दौरान दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के लिए अपमान, हिंसा और भेदभाव से भरे रहे। इन्हें संस्थागत रूप से दोयम दर्जे का नागरिक बनाने और मुख्यधारा से दूर रखने की साजिश चलती रही है। इस सरकार के 11 साल देश के करोड़ों गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के लिए अपमानजनक रहे और उन्हें सिर्फ दोयम दर्जे का नागरिक बनाने का ही प्रयास हुआ है।

सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर जहाज में केरल तट के पास लगी आग

- चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया गया, जबकि चार अब भी लापता हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल तट के पास एक कंटेनर में विस्फोट होने के बाद सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज में भीषण आग लग गई। हालांकि, चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया गया, जबकि चार अब भी लापता हैं। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह घटना भारतीय समयानुसार सुबह 9.20 बजे, केरल के कन्नूर जिले के अझिक्कल से लगभग 44 समुद्री मील दूर और कोच्चि से 130 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में हुई।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर जहाज एमवी वान हाई 503 पर सवार चालक दल के 22 सदस्यों में से 18 को भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की मदद से बचा लिया गया है।

उन्हें नौसेना के पोत आईएनएस सूरत के जरिये मंगलुरु बंदरगाह लाया जा रहा है, ताकि आगे की आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा सकें।

सिंगापुर के ध्वज वाला जहाज कोलंबो से न्हावा शेवा, मुंबई जा रहा था।

तट रक्षक बल की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''आग ने तेजी से जहाज के मध्य भाग को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि 10-15 कंटेनर पानी में गिर गए।''

चालक दल के सदस्यों में आठ चीनी, छह ताइवानी, म्यांमा के पांच नागरिक और तीन इंडोनेशियाई नागरिक शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''विस्फोट और आग के फैलने के बाद, चालक दल ने जहाज को छोड़ दिया था। चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया गया है, जबकि चार लापता हैं। खोज और बचाव अभियान अभी जारी है।''

समुद्री सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराए गए फुटेज में सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर जहाज के मध्य भाग में आग लगी दिखाई दे रही है। जहाज की लंबाई 270 मीटर है।

तटरक्षक बल ने कहा कि उसने तत्काल कार्रवाई शुरू की, हवाई निगरानी और स्थिति का आकलन करने के लिए जीवन रक्षक राफ्ट से लैस दो डोर्नियर विमान तैनात किए हैं।

रूस ने रात में ड्रोन से सबसे बड़ा हमला किया : यूक्रेन

कीव/एपी। यूक्रेन की वायुसेना ने सोमवार को कहा कि रूस ने युद्ध के दौरान एक रात में सबसे बड़ा ड्रोन हमला करते हुए करीब 500 ड्रोन से बमबारी की। रूस ने प्रत्यक्ष शांति वार्ता के बीच अपना आक्रमण जारी रखा है। इस वार्ता से युद्ध थमने की दिशा में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। युद्ध विराम तक पहुंचने में कठिनाइयों के बावजूद, रूस और यूक्रेन ने सोमवार को युद्धबंदियों के एक और समूह की अदला-बदली की। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि मुख्य रूप से यूक्रेन के मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में 479 ड्रोन, विभिन्न प्रकार की 20 मिसाइल से हमला किया गया। वायुसेना ने कहा कि रविवार रात यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 277 ड्रोन और 19 मिसाइल को हवा में ही नष्ट कर दिया। उसने दावा किया कि केवल 10 ड्रोन या मिसाइल ही अपने लक्ष्य तक पहुंच सके। अधिकारियों ने कहा कि हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। हाल में लगभग 1,000 किलोमीटर के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में रूस द्वारा फिर मोर्चेबंदी करने के साथ ही हवाई हमलों में वृद्धि हुई है।

महाराष्ट्र के मुंब्रा स्टेशन पर

लोकल ट्रेन से कई यात्रियों के गिरने से पांच की मौत, सात घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ बताया है, कथित तौर पर उस समय कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे।

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी। श्री शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों को तुरंत नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल खुद जुपिटर अस्पताल चले गए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना के दौरान 10 से 12 यात्री ट्रेन से गिरे थे।

अधिकारियों ने दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ बताया है, कथित तौर पर उस समय कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच अभी चल रही है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, एक लोकल ट्रेन से कुल आठ यात्रियों के गिरने की घटना, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोगों की मौत हो गई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मृतकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन जमीनी स्तर पर प्रयासों का समन्वय कर रहा है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

सूर्यास्त 10-06-2025 6:34 बजे	सूर्योदय 11-06-2025 5:42 बजे
BSE 82,445.21 (+256.22)	NSE 25,103.20 (+100.15)
सोना 10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रेप का मेप

अपराधों के लेकर समंक,
सब खेल रहे हैं रेप-रेप।
किस युग में कम या ज्यादा थे,
दिखला करके कर रहे लेप।
उत्तरोत्तर ग्राफ बढ़ा जाता,
दिखता विभत्स अब प्रगति मेप।
जो फेंक रहे ऊँची ऊँची,
वे छुपा रहे मुँह झेंप-झेंप।।

अंडमान बैंक ऋण 'अनियमितता': सीआईडी ने कई मुखौटा कंपनियों का पता लगाया, खातों से लेन-देन पर रोक लगायी

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पुलिस ने एक सहकारी बैंक द्वारा ऋण स्वीकृत करने में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान कई मुखौटा (शेल) कंपनियों का पता लगाया है और उन कंपनियों के खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, अंडमान एंड निकोबार स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (एएनएससीबीएल) के उपाध्यक्ष और कांग्रेस के पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा के खिलाफ विभिन्न लोगों को भारी मात्रा में ऋण देने में घोर अनियमितताओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसएसपी (सीआईडी) जितेंद्र कुमार मीणा ने बताया, हमें सहकारी समितियों के डिप्टी रजिस्ट्रार से ऐसी अनियमितताओं के बारे में शिकायत मिली है। हमें कुछ मुखौटा (शेल) कंपनियां मिली हैं। हम उनके निदेशकों से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें मुखौटा कंपनियों में एनपीए के मामले (करोड़ों रु. की राशि) भी मिले हैं। सभी संदिग्ध बैंक खातों पर रोक लगा दी है और आगे की जांच जारी है। ऐसी कंपनी जो कागज़ों पर तो पंजीकृत होती है, लेकिन उसका कोई वास्तविक व्यापार, उत्पादन या संचालन नहीं होता, उसे मुखौटा कंपनी कहते हैं। इसका उपयोग अक्सर काले धन को सफेद करने (धन शोधन), कर बचाने या कानूनी धोखाधड़ी के लिए किया जाता है।

सरकार को 2025-26 खरीफ सत्र में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की उम्मीद : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अगले महीने से शुरू होने वाले 2025-26 के खरीफ सत्र के दौरान भारत में खाद्यान्न उत्पादन में नया रिकॉर्ड बनने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मानसून की बारिश सामान्य से अधिक रहने के पूर्वानुमान के चलते ऐसा हो सकता है। चौहान ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में नकली और घटिया कीटनाशकों की बिक्री को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने और संतुलित उर्वरक का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बेहतर कार्यान्वयन की बात भी कही।

वह देश भर में 15 दिवसीय राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इस दौरान मंत्री ने कहा कि खरीफ बुवाई से पहले संपर्क कार्यक्रम कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और अनुसंधान योजनाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

कृषि मंत्रालय के तीसरे अनुमान के अनुसार, 2024-25 के खरीफ सत्र में भारत का खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 16.80 करोड़ टन तक पहुंच गया है। वर्ष 2014-15 से खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में 31.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चौहान ने कहा, ''मौजूदा अभियान से खरीफ सत्र में कृषि उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि हम किसानों की चिंताओं को दूर करने और उन्हें नई तकनीकों और व्यवहार के बारे में शिक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।'' मंत्री ने कहा कि अबतक 10 राज्यों की यात्रा के दौरान उन्हें किसानों से पता चला कि कुछ क्षेत्रों में मौजूदा फसल किस्मों ने उभरते कीटों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली है। किसानों ने नकली कीटनाशकों के बारे में भी चिंता जताई और कीमतों में गिरावट के दौरान अधिक सुरक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि इन सुझावों के आधार पर लघु, मध्यम और दीर्घकालिक कार्यान्वयन के लिए अनुसंधान योजनाएं और नीतियां विकसित की जाएंगी।

चौहान ने कहा, ''इन प्रयासों और संभावित अच्छे मानसून के साथ, 2025-26 में खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में एक नया रिकॉर्ड हासिल करने में मदद मिलेगी।'' धान जैसी खरीफ फसलों की बुवाई जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ शुरू होती है। इस साल मानसून की बारिश सामान्य रहने का अनुमान है।

निर्वाचन आयोग हरियाणा-महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़े डेटा कब तक सौंपेगा : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़े डेटा साझा करने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले की सोमवार को सराहना करते हुए इसे 'पहला अच्छा कदम' करार दिया। राहुल ने चुनाव निकाय से अनुरोध किया कि वह उस तय तारीख का ऐलान करे जब डिजिटल और 'मशीन द्वारा पठनीय' प्रारूप में डेटा सौंपा जाएगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया की एक खबर का 'स्क्रीनशॉट' साझा किया जिसमें दावा किया गया है कि निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2009 से 2024 तक हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए मतदाता सूची का डेटा साझा करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने इससे पहले मौजूदा साल की शुरुआत में दिल्ली उच्च न्यायालय को इस संबंध में आश्वासन दिया था। हालांकि, कथित कदम को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को सौंपने के लिए उठाया गया अच्छा पहला कदम। क्या निर्वाचन आयोग उस तय तिथि की घोषणा करने की कृपा कर सकता है जब यह डेटा डिजिटल और 'मशीन द्वारा पठनीय' प्रारूप में सौंपा जाएगा?''

भाकपा को आरएसएस से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं : डी राजा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने सोमवार को कहा कि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी भारत माता कौन हैं। राजा ने कहा कि उनकी पार्टी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब तिरुवनंतपुरम स्थित राजभवन में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कथित रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखाओं से जुड़ी भारत माता की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया। इस पर नाराज़गी जताते हुए भाकपा नेता और केरल के मंत्री पी प्रसाद ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया था।

केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में भाकपा दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। राजा ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि केरल के राज्यपाल भारत माता और तिरंगे के बारे में क्या समझते हैं....मैंने यह मुद्दा संसद में भी उठाया है....आपकी (राज्यपाल की) भारत माता कौन हैं? कृपया हमें बताएं।'' हमारी भारत माता खेतों में काम कर रही हैं। जंगलों में काम कर रही हैं, जल-जमीन-जंगल की रक्षा कर रही हैं। हमारी भारत माता स्कूलों में, दफ्तरों में, कारखानों में काम कर रही हैं। हमारी भारत माता सेना और रक्षा बलों में सेवा कर रही हैं। आपकी भारत माता कौन हैं? ये स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा-आरएसएस) सोचते हैं कि भारत माता या तिरंगा के वे अकेले ठेकेदार हैं। उन्होंने कभी इस देश की आजादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। भाकपा ने औपनिवेशिक शासन से देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया... उस समय आरएसएस क्या कर रहा था? उन्होंने पूछा, स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की क्या भूमिका थी? वे सोचते हैं कि भारत माता की परिभाषा आरएसएस द्वारा दी गई है? और वे सोचते हैं कि राज्यपालों के राजभवन आरएसएस भवन हैं?

सूक्ष्म वित्त क्षेत्र लगातार उच्च ब्याज, कठोर वसूली प्रथाओं से ग्रस्त : राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि सूक्ष्म वित्त (माइक्रोफाइनेंस) लगातार अत्यधिक कर्ज , उच्च ब्याज दर और कठोर वसूली प्रथाओं के दुष्चक्र से ग्रस्त है।

पिछले सप्ताह यहां वित्तीय समावेशन के लिए एचएसबीसी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि सूक्ष्म वित्त ने आबादी के वंचित वर्गों को औपचारिक वित्तीय सेवाएं देने की उम्मीद जगाई है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म वित्त ने वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''यह क्षेत्र लगातार अत्यधिक कर्ज, उच्च ब्याज दरों और कठोर वसूली प्रथाओं के दुष्चक्र से ग्रस्त है। हालांकि, हाल की तिमाहियों में सूक्ष्म वित्त कर्ज की ब्याज दरों में कुछ कमी देखी गई है, लेकिन उच्च ब्याज दरों और ऊंचे मार्जिन के क्षेत्र अब भी बने हुए हैं।'' राव ने कहा कि कम लागत वाले वित्त तक पहुंच रखने वाले ऋणदाता भी बाकी उद्योग की तुलना में काफी अधिक मार्जिन वसूलते पाए गए हैं और कई मामलों में, यह बहुत ज्यादा लगता है। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि ऋणदाताओं को इस क्षेत्र को अधिक लाभ देने वाले व्यवसाय से हटकर, एक सहानुभूतिपूर्ण और विकासात्मक नजरिये से देखना चाहिए। उन्होंने कमजोर समुदायों को सशक्त बनाने में सूक्ष्म वित्त की सामाजिक-आर्थिक भूमिका को पहचानने पर जोर दिया।

Dalmia Bharat Group

सीमेंट क्षेत्र में एकीकरण जारी रहेगा, उद्योग की वृद्धि 7-8% रहने की उम्मीद : डालमिया भारत

नई दिल्ली/भाषा। डालमिया भारत ने कहा है कि बड़ी कंपनियों द्वारा सीमेंट उद्योग में एकीकरण जारी रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रमुख कंपनियां अगले दो साल में अपनी क्षमता हिस्सेदारी को 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ा सकती हैं। भारत की चौथी सबसे बड़ी सीमेंट विनिर्माता कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, डालमिया सीमेंट को वित्त वर्ष 2025-26 में सीमेंट क्षेत्र के लिए 7-8 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। पिछले साल आम चुनावों और अनियमित बारिश के बीच सीमेंट की मांग लगभग पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

टाटा मोटर्स की 2030 तक 35,000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने अगले चार वित्त वर्षों में 30 उत्पाद गतिविधियों पर 33,000 करोड़ रुपए से लेकर 35,000 करोड़ रुपए तक का निवेश करने की योजना बनाई है। इस दौरान सात नए मॉडल भी पेश करने की तैयारी है।

टाटा समूह की कंपनी अपने यात्री वाहन पोर्टफोलियो में उन्नत प्रौद्योगिकी और इंजन प्रणाली लाने पर भी निवेश करने की योजना बना रही है। टाटा मोटर्स वित्त वर्ष 2026-27 तक 16 प्रतिशत (ईवी सहित) और अगले दो-तीन वर्षों में लगभग 18-20 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी की उम्मीद कर रही है। कंपनी ने विश्लेषकों के समक्ष एक प्रस्तुति में उम्मीद जताई कि घरेलू यात्री वाहन उद्योग वर्ष 2030 तक सालाना 60 लाख इकाई तक बढ़ जाएगा। कंपनी ने कहा, ''हम वित्त वर्ष 2029-30 तक अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करेंगे। इसमें सात नए उत्पाद और 23 उत्पादों के नए संस्करण शामिल होंगे।''

सात नए मॉडल लाने की तैयारी

टाटा मोटर्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 से लेकर 2029-30 के दौरान 33,000 करोड़ रुपए से लेकर 35,000 करोड़ रुपए तक का पूंजीगत व्यय किया जाएगा। इसका इस्तेमाल अभिनव उत्पादों, सॉफ्टवेयर-संचालित वाहनों (एसडीवी), उन्नत प्रौद्योगिकियों और इंजन प्रणाली पर किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि यात्री वाहन खंड में वह नए और विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ मजबूत वृद्धि हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह बिक्री बढ़ाने के साथ ही अपने सर्विस नेटवर्क पर भी विशेष ध्यान देगी।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखना भी कंपनी की प्राथमिकता में होगा। टाटा मोटर्स को उम्मीद है कि 2030 तक कुल यात्री वाहन बाजार में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 30 प्रतिशत तक हो जाएगी।

प्रवासियों की भीड़ के कारण 'ध्वस्त' हो गया है मुंबई उपनगरीय रेलवे बुनियादी ढांचा : ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। दो भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत होने और नौ अन्य के घायल होने के हादसे के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि रेलवे के बुनियादी ढांचे के ध्वस्त होने के लिए अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासियों का मुंबई में पलायन जिम्मेदार है। ठाकरे ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लोकल ट्रेन में स्वचालित दरवाजे की सुविधा दिये जाने की मांग के औचित्य पर भी सवाल उठाया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने मध्य रेलवे प्रशासन से उपनगरीय ट्रेन में भीड़भाड़ को देखते हुए स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करने की अपील की है। ठाकरे ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, ''बाहर से बड़ी संख्या में लोगों के (मुंबई) आने के चलते रेलवे का बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया है लेकिन हर कोई चुनाव प्रचार में व्यस्त है।'' प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि सुबह के व्यस्त समय में दिवा और कोपर रेलवे स्टेशन के बीच दो विपरीत दिशा की दो लोकल ट्रेन के पायदान पर खड़े यात्रियों के बैग आपस में टकराने के कारण चार लोगों की ट्रेन से नीचे गिरने से मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। ठाकरे ने कहा, ''हर दिन लोकल ट्रेन से जुड़ी दुर्घटनाएं होती हैं। यह केवल रेलवे की बात नहीं है। हमारे सभी शहरों में अव्यवस्था है। सड़कें ठीक नहीं हैं और मुंबई और पुणे सहित

कई शहरों में यातायात जाम आम बात है। अगर आग लग जाए तो दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंच पाती।'' उन्होंने अपने नेतृत्व वाली मनसे और अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के बीच संभावित मेल-मिलाप की चर्चा से जुड़े सवालों को टाल दिया। उन्होंने पूछा, ''राज (ठाकरे) और उद्धव (ठाकरे) कब एक होंगे, इस पर अटकलें लगाने के बजाय, समाचार चैनल रेल दुर्घटनाओं में हुई मौतों के बारे में सवाल क्यों नहीं पूछते? क्या उस रेल मार्ग (दिवा और कोपर) पर मोड़ नया है? क्या लोकल ट्रेन में स्वचालित दरवाजे लगाना संभव है?''

लोकल ट्रेन से जुड़ा हादसा दुर्भाग्यपूर्ण, रेलवे कारण की जांच कर रहा है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि रेलवे प्रशासन उस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है, जिसमें आठ यात्री भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिर गए और उनमें से कुछ की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सुबह के व्यस्त समय में ठाणे जिले में दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच एक चलती और भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। फडणवीस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिवा-मुंब्रा स्टेशन के बीच एक लोकल ट्रेन से कुल आठ यात्री गिर गए और उनमें से कुछ की जान चली गई। रेलवे प्रशासन दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है।'' उन्होंने बताया कि घायलों को तुरंत शिवाजी अस्पताल और ठाणे जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। फडणवीस ने कहा कि स्थानीय प्रशासन समन्वय कर रहा है और उन्हें उम्मीद है कि घायलों को जल्द ही राहत मिलेगी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। उन्होंने कहा, कसारा से सीएसटी जाने वाली लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद दुखद है। यह घटना उपनगरीय रेलवे प्रणाली में भीड़भाड़ और यात्री सुरक्षा पर गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि रेलवे प्रशासन जल्द ही उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को और अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। पवार ने घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जतायी।

केजरीवाल पंजाबी नेताओं के साथ 'दूसरे दर्जे के नागरिक' जैसा व्यवहार कर रहे हैं : आशु

लुधियाना/भाषा। पंजाब में लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वे पंजाब के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ 'दूसरे दर्जे के नागरिकों' जैसा व्यवहार कर रहे हैं। चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए आशु ने कहा, मेरी लड़ाई केजरीवाल के खिलाफ है, और पंजाब, पंजाबी तथा पंजाबियत की प्रतिष्ठा की पुनः स्थापना के लिए है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह लड़ाई पंजाब के लोगों और बाहर से आए लोगों के बीच है।

आशु ने केजरीवाल को बाहरी बताते हुए कहा कि उनकी नजर पंजाब से राज्यसभा की सीट पर है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में कांग्रेस से गए कई नेता खुद उनसे यह कह चुके हैं कि चाहे वे सरकार या पार्टी में किसी बड़े पद पर क्यों न हो, उनके साथ दूसरे दर्जे के नागरिक की तरह व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि न केवल पंजाब के लोग, बल्कि आप के नेता और कार्यकर्ता भी इस बात से परेशान हैं कि सब कुछ दिल्ली स्थित नेताओं को सौंप दिया गया है।

सुकमा में प्रेशर बम फटने से एएसपी की मौत, डीएसपी और थाना प्रभारी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम में विस्फोट होने से एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की मौत हो गई तथा दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस अधिकारी आकाश राव गिरपुंजे और कोंटा के उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) भानुप्रताप चंद्राकर और निरीक्षक (थाना प्रभारी कोंटा) सोनल गवला, जिले के कोंटा क्षेत्र में एक अर्थ-मूवर मशीन को नक्सलियों द्वारा आग लगाने की सूचना मिलने के बाद आज सुबह जवानों के साथ पैदल मौके पर जा रहे थे। इसी दौरान कोंटा-एर्राबोर मार्ग पर डोंड्रा गांव के पास नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम (बारूदी सुरंग) में विस्फोट हुआ, जिससे एएसपी आकाश राव, चंद्राकर और गवला घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों घायल पुलिस कर्मियों को प्रारंभिक उपचार के लिए कोंटा अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान गिरिपुंजे ने दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विस्फोट में एएसपी की मौत पर दुख जताया और कहा कि नक्सलियों को इस घटना के परिणाम भुगतने होंगे। मुख्यमंत्री साय ने पोस्ट में कहा, ''सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किये गये आई ई डी विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के बलिदान की सूचना मिली जो अत्यंत दुखद है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूं। इस कायरतापूर्ण हमले में कुछ अन्य अधिकारी व जवानों के भी घायल होने की खबर है। अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज हेतु निर्देश दिए हैं।'' साय ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं और उसमें सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है।''

सोनम ने पति के साथ हनीमून पर जाने की टिकट बुक कराई थी, लौटने की नहीं : राजा रघुवंशी की मां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या को लेकर मेघालय पुलिस के खुलासे के बीच, मृतक की मां ने सोमवार को दावा किया कि पूर्वोत्तर के राज्य में अपने पति के साथ हनीमून पर जाने की योजना उनकी बहू सोनम ने बनाई थी, लेकिन उसने वहां से वापसी का टिकट बुक नहीं कराया था।

मेघालय पुलिस का कहना है कि सूबे में हनीमून के दौरान राजा रघुवंशी की हत्या में उनकी पत्नी सोनम कथित रूप से शामिल थी जिसने वहां भाड़े के हत्यारे बुलाए थे। मेघालय पुलिस ने हत्याकांड के चार संदिग्धों को मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश से हिरासत में लिया है।

मेघालय पुलिस के इस खुलासे के बाद राजा रघुवंशी के परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई है, जबकि सोनम के पिता ने अपनी बेटी को बेगुनाह बताते हुए हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है।

राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी ने संवाददाताओं को बताया, ''मेरा बेटा सोनम के कहने पर ही उसके साथ मेघालय घूमने गया था। वह इतनी जल्दी हनीमून पर नहीं जाना चाहता था। मेरे बेटे ने मुझे बताया था कि सोनम ने मेघालय की यात्रा का टिकट बुक करा लिया है। इस पर मैंने उससे कहा था कि अगर टिकट बुक हो चुका है, तो उसे पत्नी के साथ मेघालय घूमने जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरे बेटे ने मुझे यह भी बताया था कि सोनम ने मेघालय से दोनों की वापसी का टिकट बुक नहीं कराया है, लेकिन वे छह-सात दिन में वहां से इंदौर लौट आएंगे।'' मेघालय पुलिस के मुताबिक, राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। 'पीटीआई वीडियो' के अनुसार, पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सायम ने कहा कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा ''गिरफ्तार किया गया पहला व्यक्ति आकाश राजपूत (19) उत्तर प्रदेश के ललितपुर से है। दूसरा विशाल सिंह चौहान (22) और तीसरा राज सिंह कुशवाहा (21) मध्यप्रदेश के इंदौर से है।''

पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''सोनम रघुवंशी फिलहाल पुलिस हिरासत में है। आज अपराह्न हमने मध्यप्रदेश के सागर

जिले से आनंद कुर्मी (23) को गिरफ्तार किया।'' मेघालय की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई नोंगरांग ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राजा की पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

नोंगरांग ने बताया, ''सोनम ने उत्तर प्रदेश के नंदगंज थाने में आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।'' डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने खुलासा किया है कि सोनम ने रघुवंशी की हत्या के लिए उन्हें भाड़े पर बुलाया था।

उमा ने कहा कि उन्हें सोनम की ताजा तस्वीर देखकर झटका लगा क्योंकि उनके बेटे के साथ पिछले महीने लापता हुई उनकी बहू के शरीर पर खरोंच का एक निशान तक नहीं है, जबकि उनके बेटे की हत्या कर दी गई।

राजा रघुवंशी की मां ने कहा, ''मैं सोनम के मुंह से सुनना चाहती हूं कि उसने राजा को कहां, क्यों और किस हालत में छोड़ा था।'' उन्होंने कहा कि सगाई के बाद सोनम उनके बेटे को पर्याप्त वक्त नहीं दे रही थी और शादी से पहले उसके साथ घूमने-फिरने से भी बच रही थी।

राजा रघुवंशी की मां ने कहा, ''जब हमने सोनम से इस बारे में पूछा, तो उसने कहा कि उसे दफ्तर में कई काम होते हैं। सोनम ने कहा था कि अगर वह मेरे बेटे को फोन नहीं कर पा रही है, तो मेरा बेटा भी तो उसे फोन कर सकता है।

उमा ने बताया, ''सोनम की मां ने मुझसे कहा था कि शादी से पहले लड़का-लड़की के मिलने-जुलने को लेकर उनके परिवार में काफी सख्ती है और शादी से पहले लड़का-लड़की की मुलाकातें सोनम के पिता को पसंद नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि राजा और सोनम की शादी (अरेंज्ड मैरिज) इस जोड़े और दोनों परिवारों की रजामंदी से पारंपरिक तरीके से हुई थी और शादी के बाद सोनम का व्यवहार उनके परिवार के साथ अच्छा रहा जिससे उन्हें उस पर कोई संदेह नहीं हुआ।

उमा ने कहा, ''मेरा बेटा शादी के बाद बेहद खुश था। उसने सोनम को अपनी पत्नी के रूप में दिल से चाहा था। हमें तो अब तक यकीन नहीं हो रहा कि वह अपने पति की हत्या करा सकती है। बेहतर होता कि मेरा बेटा कुंवारा ही रहता क्योंकि तब उसकी जान तो नहीं जाती।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वाकई सोनम ने उनके बेटे की हत्या कराई है, तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

अपने नवविवाहित बेटे की मौत के शोक में डूबी मां ने कहा, ''मुझे रात को बड़ी बेचैनी होती है। मैं अपने (दिवंगत) बेटे के फोटो के पास जाकर उससे बात करती हूं। मैं उससे कहती हूं कि जिसने भी उसके साथ गलत किया, उसे सजा मिलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि राजा रघुवंशी हत्याकांड के प्रमुख संदिग्ध राज कुशवाह के बारे में उनके बेटे और परिवार को कोई भी भनक नहीं थी।

मोदी और शाह जैसे 'साधारण लोगों' से नहीं डरती द्रमुक : ए राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक के वरिष्ठ नेता ए राजा ने सोमवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे 'साधारण लोगों' से नहीं डरती और उनकी पार्टी की विचारधारा भाजपा को तमिलनाडु में पैर नहीं जमाने देगी। रविवार को मदुरै में सत्तारूढ़ द्रमुक की अमित शाह द्वारा की गई आलोचना के जवाब में यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजा ने दावा किया कि विभिन्न मुद्दों पर भाजपा नेता की टिप्पणियां सरासर झूठ, घृणित और 'विभाजनकारी' हैं।

लोकसभा सदस्य ने कहा कि भाजपा दिल्ली या महाराष्ट्र के विपरीत तमिलनाडु में पैर नहीं जमा सकती, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, क्योंकि द्रविड़ विचारधारा भगवा विचारधारा की विरोधी है।

उन्होंने द्रविड़ दर्शन का हवाला देते हुए कहा, ''(आप प्रमुख) अरविंद केजरीवाल (दिल्ली में) सत्ता में कैसे आए – उन्होंने केवल भ्रष्टाचार का विरोध किया, क्या उनके पास कोई विचारधारा थी, क्या उनके पीछे कोई नेता थे। हम अमित शाह और मोदी से नहीं डरते। आखिरकार, वे साधारण लोग हैं। उनके पीछे की राजनीतिक विचारधारा हर जगह आक्रमण कर रही है और जीत रही है, लेकिन वह यहां क्यों नहीं जीत पा रही है। क्योंकि हमारे पास उस विचारधारा का विकल्प है।''

उन्होंने कहा, ''जब तक द्रविड़ विचारधारा है, वे तमिलनाडु में पैर नहीं जमा सकते। हम दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा नहीं हैं। हम तमिलनाडु हैं, हम द्रविड़ हैं, (भाजपा) यहां नहीं आ सकती।'' शाह ने रविवार को कहा कि राजग अगले साल तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगा और उन्होंने 4,600 करोड़ रुपये के रेत खनन घोटाले सहित भ्रष्टाचार के नए आरोप लगाकर राज्य में द्रमुक सरकार पर निशाना साधा। भाजपा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है।

राजा ने कहा कि मदुरै में शाह ने जो कहा, द्रमुक उनके एक–एक शब्द को गलत साबित कर सकती है और तमिलनाडु के लोग भाजपा नेता की ऐसी बातों को स्वीकार नहीं करेंगे। राजा ने दावा किया, ''उनकी टिप्पणियां केंद्रीय गृह मंत्री के पद को शोभा नहीं देतीं। संक्षेप में कहें तो उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह सरासर झूठ, घृणित और विभाजनकारी था।''

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार के खिलाफ 'निराधार आरोप' लगाए हैं। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कानून और व्यवस्था कायम रखी है और कई मौकों पर केंद्रीय निधि उपलब्ध नहीं होने के बावजूद, राज्य निधि से विकास योजनाओं को त्वरित लागू किया है और इस बात को पचा नहीं पाने के कारण केंद्र और भाजपा शाह को तमिलनाडु ले आए। उन्होंने प्रस्तावित जाति जनगणना और परिसीमन सहित मुद्दों पर भी केंद्र पर निशाना साधा।

नौसेना के 18 अधिकारियों ने पायलट के रूप में उपाधि प्राप्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आरक्कोणम। स्थानीय आईएनएस राजाली स्थित हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण स्कूल से एक महिला समेत भारतीय नौसेना के 18 अधिकारियों ने पायलट का प्रशिक्षण पूरा किया। एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन अधिकारियों ने भारतीय नौसेना के एयर स्क्वाड्रन–561 में प्रशिक्षण स्कूल में अपने 22 सप्ताह लंबे गहन उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के सफल समापन पर एक प्रभावशाली 'पासिंग आउट परेड' में हिस्सा लिया। इसमें कहा गया है, ''महिलाओं के लिए लैंगिक समावेशी वातावरण को मजबूत करने और समान कॅरियर के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, सब–लेफ्टिनेंट सिद्धि हेमंत दुबे ने आज प्रशिक्षण के सफल समापन पर भारतीय नौसेना की दूसरी महिला हेलीकॉप्टर पायलट बनकर इतिहास रच दिया।''

इन अधिकारियों को प्रतिष्ठित 'गोल्डन विंग्स' प्रदान किए गए, जो उन्हें हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में मान्यता देते हैं। ये 'गोल्डन विंग्स' पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर द्वारा दिए गए। इसमें कहा गया है कि नये पायलट को अब भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति इकाइयों के माध्यम से तैनात किया जाएगा, जो टोही, निगरानी, खोज और बचाव और तथा जलदस्यु–रोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विज्ञप्ति में वाइस एडमिरल पेंढारकर के हवाले से कहा गया है कि परेड ने न केवल एक कठोर पाठ्यक्रम की सफल परिणति को चिह्नित किया, बल्कि यह एक ऐसा दिन भी है जब युवा और उत्साही पायलट का एक नया बैच स्कूल से निकला। उन्होंने कहा कि नये हेलीकॉप्टर पायलट ने केवल उड़ान भरना ही नहीं सीखा है, बल्कि यह भी सीखा है कि एक विशेष उद्देश्य के साथ कैसे उड़ान भरना है। पेंढारकर ने कहा कि भारतीय नौसेना विमानन हमेशा पेशेवर अंदाज, सटीकता और गौरव के लिए खड़ा रहा है।

मदुरै-तूतीकोरिन राजमार्ग पर टोल संग्रह रोकने के आदेश पर उच्चतम न्यायालय की अंतरिम रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को मदुरै–तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल संग्रह से रोकने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने सोमवार को तूतीकोरिन जिले के तमिलनाडु उत्पादन एवं वितरण निगम के सेवानिवृत्त सहायक कार्यकारी अभियंता वी. बालकृष्णन को नोटिस भी जारी किया। बालकृष्णन की याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय ने यह आदेश पारित किया था।

एनएचएआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन के उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने की अपील के बाद शीर्ष अदालत ने यह निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने याचिका का विरोध करते हुए टोल वसूली को 'दिनदहाड़े की डकैती' करार दिया।

शीर्ष अदालत एनएचएआई द्वारा उच्च न्यायालय के तीन जून के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्राधिकरण को टोल वसूलने से रोक दिया गया था। इस मामले में यह देखा गया था कि सड़क के दोनों ओर पौधे नहीं लगाए गए हैं, जिससे इसका उचित रखरखाव नहीं हो पाया है।

इसके बाद उच्च न्यायालय ने बालकृष्णन द्वारा दायर जनहित याचिका पर यह आदेश दिया था। याचिका में दावा किया गया था कि मदुरै–तूतीकोरिन राजमार्ग के लिए अनुबंध, 2006 में दिया गया था और 2011 में इस खंड पर काम शुरू हुआ था।

उन्होंने अनुबंध का हवाला दिया और तर्क दिया कि ठेकेदार को दोनों तरफ और बीच के मध्य भाग में पौधे लगाने थे, लेकिन यह केवल आंशिक रूप से किया गया था। बालकृष्णन ने कहा कि ठेकेदार ने सड़कों के उपयोग की तारीख से दो टोल प्लाजा से टोल एकत्र किया, लेकिन वह सड़क का रखरखाव करने में विफल रहा और रखरखाव के कारण इस खंड के कई हिस्से आवागमन के योग्य नहीं थे।

केरल तट के पास आग से प्रभावित जहाज पर खतरनाक सामान लदा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल तट के पास जिस सिंगापुर ध्वज वाले जहाज पर आग लगने की सूचना है, उस पर लदे कंटेनर में खतरनाक सामान हैं। जहाज पर लदे सामान में ज्वलनशील ठोस पदार्थ, तरल पदार्थ और जहरीले पदार्थ भी हैं। यह जानकारी अझिक्कल बंदरगाह के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को दी। एक रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि जहाज एमवी वान हाई 503 के चालक दल के 22 सदस्यों में से 18 ने जहाज छोड़ दिया है और उन्हें भारतीय नौसेना तथा तटरक्षक बल द्वारा बचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''जहाज में इस समय आग लगी हुई है और वह बिना नियंत्रण के बह रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जहाज पर लदे कंटेनर में खतरनाक सामान हैं, जिसमें श्रेणी 3 (ज्वलनशील तरल पदार्थ), श्रेणी 4.1 (ज्वलनशील ठोस पदार्थ), श्रेणी 4.2 (स्वतः ज्वलनशील पदार्थ) और श्रेणी 4.6 (जहरीले पदार्थ) शामिल हैं।'' अझिक्कल बंदरगाह के बंदरगाह अधिकारी कैप्टन अरुण कुमार पी के ने कहा कि चूंकि निकटतम तटरक्षक सुविधा केंद्र निकटवर्ती कोझिकोड जिले के बेपोर में स्थित है, इसलिए उम्मीद है कि जहाज के बचाए गए चालक दल के सदस्यों को वहां ले जाया जाएगा। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, चालक दल के 22 सदस्यों में से कोई भी भारतीय नहीं हैं तथा वे चीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड आदि देशों से हैं। इस बीच, बेपोर बंदरगाह के अधिकारियों ने कहा कि अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि चालक दल के सदस्यों को वहां लाया जाएगा या नहीं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय तटरक्षक जहाज सचेत, अर्नवेश, समुद्र प्रहरी, अभिनव, राजदूत और सी–144 बचाव अभियान में शामिल हैं। अधिकारियों ने पहले कहा था कि जहाज एमवी वान हाई 503 पर एक विस्फोट की सूचना मिली है, लेकिन बाद में स्पष्ट किया कि उस पर आग लगी है। जहाज के निचले हिस्से में आग लगने की सूचना सबसे पहले सुबह करीब 10.30 बजे मुंबई स्थित समुद्री परिचालन केंद्र द्वारा कोच्चि स्थित समुद्री परिचालन केंद्र को दी गई। यह जहाज 270 मीटर लंबा है और मुंबई जा रहा था।

इसके बाद, भारतीय नौसेना ने तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए आईएनएस सूरत को उस जगह रवाना किया। आईएनएस सूरत को पहले कोच्चि में लंगर डालना था। पीआरओ ने कहा कि नौसेना की पश्चिमी कमान ने पूर्वाह्न 11 बजे पोत को घटना वाली जगह की ओर रवाना किया। स्थिति का आकलन करने और सहायता समन्वय के लिए कोच्चि स्थित नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस गरुड़ से नौसेना के डोर्नियर विमान की एक उड़ान की भी योजना बनायी जा रही है।

सब ठीक चल रहा, उम्मीद है कि मामला सुलझ जाएगा : पीएमके संस्थापक एस. रामदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) संस्थापक डॉ. एस रामदास ने अपने बेटे डॉ. अंबुमणि रामदास के साथ नेतृत्व को लेकर खींचतान के बीच सोमवार को कहा कि सब ठीक चल रहा है और उम्मीद है कि मामला सुलझ जाएगा। एस रामदास (85) ने यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए एक अस्पष्ट टिप्पणी में यह भी कहा कि वह मीडिया को अलविदा कह रहे हैं। मीडिया जहां यह जानने के लिए उत्सुक है कि पीएमके में क्या हो रहा है, वहीं उन्होंने कहा कि वह पत्रकारों को वह नहीं बता सकते जो वे जानना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ''सब ठीक चल रहा है। इसलिए समाधान निकलेगा। और जब ऐसा होगा, तो आप इससे अनजान नहीं रहेंगे। वह समाधान इस पार्टी और देश के लिए अच्छा रहेगा।'' पीएमके संस्थापक ने कहा, ''तब तक धैर्य रखने का अनुरोध करते हुए मैं आपसे विदा लेता हूं।'' उन्होंने दोबारा कहा, ''मैं आपसे विदा लेता हूं।'' भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर अपनी पूर्व की टिप्पणियों और अपने रुख पर कायम रहने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह अभी कुछ नहीं कह सकते।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उनके रिश्तेदार और मार्गदर्शक की तरह हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उनके कल्याण और प्रगति के लिए कुछ भी करूंगा।'' वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान पीएमके, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) का हिस्सा था।

मोदी सरकार 'केवल प्रचार' के दम पर टिकी हुई है : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर हमला किया और कहा कि वह केंद्र सरकार को ''शून्य अंक'' देंगे और आरोप लगाया कि यह ''केवल प्रचार'' के दम पर टिकी हुई है। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होने के मद्देनजर आई है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री के पद पर मोदी को 11 साल हो गए हैं, लेकिन उनकी सरकार केवल प्रचार पर निर्भर है और इसी पर टिकी हुई है।

उन्होंने सवाल किया, ''नोटबंदी से किसे फायदा हुआ? उन्होंने (मोदी) कहा था कि अच्छे दिन आएंगे, क्या हुआ? उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, उसका क्या हुआ? उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन भी दिया था, उसका क्या हुआ? अगर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा था, तो किसानों ने एक साल तक प्रदर्शन क्यों किया?''

सिद्दरामय्या ने वादे पूरे न करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा, कि मोदी सरकार ने अपने अधिकतर वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा, ''मीडिया उनका (मोदी सरकार) खूब प्रचार करती है....जब हमारी सरकार ने गारंटी योजनाओं की घोषणा की, तो उन्होंने (भाजपा) दावा किया कि इसे लागू नहीं किया जा सकता और राज्य सरकार दिवालिया हो जाएगी। लेकिन उन्होंने उन्हीं योजनाओं की नकल की और उन्हें राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लागू किया।''

सिद्दरामय्या ने यह भी याद दिलाया कि गुजरात का मुख्यमंत्री रहने के दौरान मोदी ने करों में 50 प्रतिशत का विभाजन करने की मांग की थी।

उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने क्या किया? और आपने (मीडिया ने) यह सब रेखांकित नहीं किया।'' उन्होंने सवाल किया, ''केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 5,300 करोड़ रुपये देने का वादा किया था, क्या उन्होंने दिया? 15वें वेतन आयोग ने राज्य के लिए 11,495 करोड़ रुपये की सिफारिश की थी, क्या वह दिया गया? क्या यह बड़ी रकम नहीं है?''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब हम भाजपा से कर्नाटक के लिए न्याय की मांग करने को कहते हैं, तो वे चुप रहते हैं। इसके बजाय, वे झूठा प्रचार करना जारी रखते हैं।''

शिक्षा निधि को लेकर केंद्र के खिलाफ तमिलनाडु की याचिका पर न्यायालय का तत्काल सुनवाई से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने 2024 से 2025 के लिए समग्र शिक्षा योजना के तहत केंद्रीय शिक्षा निधि की 2,151 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को कथित रूप से रोके रखने के लिए केंद्र के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि राज्य सरकार ने मई में याचिका दायर कर 2024 और इस साल भी केंद्रीय कोष रोके रखने का आरोप लगाया था। पीठ ने कहा, ''इसमें कोई जल्दबाजी नहीं है और इसे 'आंशिक कार्य दिवसों' (ग्रीष्म अवकाश का नया नाम) के बाद उठाया जा सकता है।'' मई में तमिलनाडु सरकार ने कथित तौर पर कोष को रोके रखने के लिए केंद्र के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ दायर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली सरकार की याचिका में संविधान के अनुच्छेद 131 का हवाला दिया गया है, जो केंद्र और एक या एक से अधिक राज्यों के बीच अथवा एक या एक से अधिक राज्यों के बीच याचिकाओं की सुनवाई के लिए शीर्ष अदालत को विशेष अधिकार प्रदान करता है। राज्य सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और संबंधित पीएम श्री' स्कूल योजना को लागू करने के लिए बाध्य करने का प्रयास किया, जिस पर और विशेष रूप से विवादास्पद तीन–भाषा फॉर्मूले पर उसने कड़ी आपत्ति जताई। इसलिए शीर्ष अदालत से यह घोषित करने का आग्रह किया गया कि एनईपी और पीएम श्री' स्कूल योजना वादी राज्य पर तब तक बाध्यकारी नहीं हैं जब तक कि वादी और प्रतिवादी के बीच तमिलनाडु के भीतर उनके कार्यान्वयन के लिए औपचारिक समझौता नहीं हो जाता। याचिका में समग्र शिक्षा योजना के तहत धन प्राप्त करने के लिए तमिलनाडु के अधिकार को एनईपी, 2020 के कार्यान्वयन और राज्य के भीतर पीएम श्री' स्कूल योजना से जोड़ने की केंद्र की कार्रवाई को असंवैधानिक, अवैध, मनमानी, अनुचित घोषित करने का अनुरोध किया गया है।

तमिलनाडु ने शीर्ष अदालत से 23 फरवरी, 2024 और सात मार्च, 2024 के केंद्र के पत्रों को अवैध, अमान्य घोषित करने और राज्य सरकार पर बाध्यकारी नहीं होने का भी आग्रह किया है। याचिका में केंद्र को अदालत द्वारा तय की जाने वाली समय सीमा के भीतर 2,291,30,24,769 रुपये'' का भुगतान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। साथ ही 2,151,59,61,000 रुपये की मूल राशि पर एक मई 2025 से न्यायिक आदेश की प्राप्ति तक ''छह प्रतिशत प्रति की दर से ब्याज'' देने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। विवाद इस योजना के तहत केंद्रीय निधि जारी नहीं किए जाने से उपजा है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के उद्देश्य से स्कूली शिक्षा के लिए एक प्रमुख केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है। शिक्षा मंत्रालय के परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) ने वित्त वर्ष 2024 और 2025 के लिए तमिलनाडु के लिए कुल 3,585.99 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी थी, जिसमें से केंद्र सरकार की प्रतिबद्ध 60 प्रतिशत हिस्सेदारी यानि 2,151.59 करोड़ रुपये थी। याचिका में कहा गया है कि इस मंजूरी के बावजूद केंद्र द्वारा अब तक कोई किस्त वितरित नहीं की गई है।

बेंगलूरु भगदड़

आईपीएस अधिकारी ने निलंबन को चुनौती देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में निलंबित किये गए पांच अधिकारियों में से एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास कुमार विकास ने अपने निलंबन को चुनौती देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का रुख किया है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को दी। सूत्रों ने बताया कि विकास अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिम) के पद पर तैनात थे और उन्होंने पिछले सप्ताह अधिकरण का रुख किया। सूत्रों ने बताया कि अधिकरण आगामी कुछ दिनों में इस मामले पर सुनवाई कर सकता है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पांच जून को पांच अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया था, जिनमें कब्बन पार्क पुलिस थाने के सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर ए के गिरीश और सहायक पुलिस आयुक्त सी बालकृष्ण, केंद्रीय संभाग के पुलिस उपायुक्त शेखर एच टेक्कन्नावर और बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद शामिल थे। पुलिस अधिकारियों के निलंबन का बचाव करते हुए सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा था कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभायी, उन्हें निलंबित किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के निलंबन का बचाव करते मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है जिन लोगों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई, उन्हें किया गया है निलंबित

निलंबन आदेश में कहा गया है, यह पाया गया है कि इन अधिकारियों द्वारा कर्तव्य के प्रति काफी लापरवाही बरती गई है। भगदड़ चार जून को स्टेडियम के सामने हुई थी, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। भगदड़ की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

सबक लिया है, सार्वजनिक सभाओं के लिए एक कानून बना सकते हैं: बेंगलूरु भगदड़ पर शिवकुमार

बेंगलूरु/नईदिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को नई दिल्ली में कहा कि राज्य ने हाल की भगदड़ से सबक लिया है और भविष्य में सार्वजनिक सभाओं के प्रबंधन के लिए एक कानून लाने पर विचार किया जा रहा है।

दिल्ली नगर निगम के महापौर राजा इकबाल सिंह से एक मुलाकात के बाद शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''इससे सबक सीखने की जरूरत है। हम एक योजना लेकर आएंगे, हमारे पास भविष्य में भीड़ को संभालने के लिए नीतियां हैं। हमें एक कानून बनाना होगा, हम इस पर विचार कर रहे हैं। यह एक सबक है जो हमें सीखना होगा।'' कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार की आलोचना कर रहे विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए शिवकुमार ने कहा, ''वे शवों पर राजनीति कर रहे हैं। मुझे उनके लिए दुख है।'' रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल के फाइनल मुकाबले में पहली जीत का जश्न चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित किया गया था लेकिन स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई और 56 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद से ही राजनीतिक बयानबाजी जारी है और कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्थिति को ठीक से नहीं संभालने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

शिवकुमार शहरी प्रशासन, नगर नियोजन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चा करने के लिए एमसीडी अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में थे।

जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल का कोई विकल्प नहीं बताते हुए कहा है कि जल है तो कल है, ऐसे में आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी है। शर्मा सोमवार को अजमेर जिले के पुष्कर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जल की आवश्यकता को समझते हुए प्रदेशभर में विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत की है।

जन जागरूकता और सहभागिता इस अभियान की सफलता का आधार है। उन्होंने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान से जुड़ें ताकि राजस्थान में पानी की कमी नहीं रहे तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान बन सके। उन्होंने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की इस पावन धरा पर पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां स्थित ब्रह्माजी का मंदिर और सावित्री माता का मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत गंगा दशहरा के अवसर पर की गई। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी पर गंगा मां का अवतरण हुआ था तथा सभी जलाशयों में स्वयं गंगा मां अवतरित होती हैं। प्राचीन ग्रंथों में भी मां गंगा को पुण्य सलिला, मोक्ष प्रदायिनी एवं महानदी कहा गया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में कम सतही जल के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदेश का लगभग 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण की परंपराएं सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रही हैं। बावड़ियां, जोहड़, तालाब, और कुंए जैसी संरचनाएं राजस्थान की जल संरक्षण परंपराओं का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल करना और जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन बन रहा है। यह अभियान निश्चित तौर पर प्रदेश में जल संरक्षण में एक नई क्रांति लाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए डेढ साल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों के लोगों को पेयजल मिलेगा और लगभग 4.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

इसी तरह, शेखावाटी अंचल में यमुना जल समझौता से क्षेत्र के लोगों को पानी की निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 'कैच द रेन' अभियान प्रारंभ किया था। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत प्रवासी राजस्थानी के योगदान से राज्य में अगले चार साल में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने वित्त वर्ष 2025-2026 में प्रत्येक जिले में कम से कम 125 जल संरक्षण संरचनाओं सहित करीब पांच हजार संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर हमने पिछले वर्ष सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस वर्षाकाल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुष्कर को एक भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर एवं परिसर के विकास के लिए विभिन्न कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में लगभग 127 करोड़ की लागत से घाट नवीनीकरण, सावित्री वाटिका, ब्रह्मा मंदिर से ब्रह्मा घाट तक कॉरिडोर, ब्रह्मा चौक से वराह घाट तक कॉरिडोर सहित विभिन्न कार्य किए जाएंगे। साथ ही, दूसरे चरण में कुल 38 करोड़ की लागत से नया मेला मैदान, प्रवेश और सूचना केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए आमजन से इस अभियान में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि हम सबको जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहकर जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राज्य बजट 2025-26 में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर जिले में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के प्रथम चरण के तहत 13.51 करोड़ रुपये के 553 जल संग्रहण संरचनाओं तथा द्वितीय चरण के तहत 9 करोड़ 61 लाख रुपये की 176 जल संग्रहण संरचनाओं का वर्चुअली लोकार्पण किया। शर्मा ने अजमेर जिले के बंदिया एवं मुहामी गांव के कॉजवे एवं फीडर मरम्मत कार्य, फूल सागर बीर जलाशय का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स की स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं को तुलसी के पौधे भी भेंट किए। उन्होंने सेंड आर्टिस्ट अजय रावत द्वारा तैयार वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान सेंड कलाकृति की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ब्रह्मा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तीर्थराज पुष्कर का पूजन तथा जलाभिषेक किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा ब्रह्मा मंदिर परिसर में स्थित ब्रह्म वाटिका में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सिंदूर का पौधरोपण भी किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने एमपी मानसिंगका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से स्थापित ब्रह्मा मंदिर निःशुल्क लिफ्ट सेवा का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जनसुनवाई में परिवेदनाओं के निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार सुबह यहां जनसुनवाई में महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न वर्गों की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की और यह निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला कलक्टर नियमित रूप से जनसुनवाई कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को हल करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिला स्तर पर ही परिवादी को राहत पहुंचाई जाए ताकि उसे अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण एवं अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करने के भी निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रही कैंसर पीड़िता प्रेमलता ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को प्रेमलता के शीघ्र इलाज कराने के निर्देश दिए। इससे अब प्रेमलता कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज निःशुल्क ले सकेगी। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, किसान, युवा, मजदूर इन चार वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में भी इन वर्गों की समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

परिवादियों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही जनसुनवाई उम्मीद की किरण बन गई है। जनसुनवाई में हजारों की संख्या में परिवादी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हैं। मुख्यमंत्री भी संवेदनशीलता के साथ मौके पर ही उनका निस्तारण कर उन्हें संबल दे रहे हैं।

चिकित्सकों की कोरोना के समय देश को सुरक्षित रखने में महती भूमिका : यादव

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि दुनिया के उन चुनिन्दा देशों में भारत शामिल था, जिनको कोरोना महामारी के समय चिकित्सकों ने सुरक्षित रखा। यादव सोमवार को राजस्थान में अलवर के राजीव गांधी चिकित्सालय के सभागार में आयोजित इंडियन मेडिकल

एसोसिएशन (आईएमए) अलवर शाखा की नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाने के बाद समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आये हैं। इस दौरान सभी जिलों में मेडिकल महाविद्यालयों की स्थापना की गयी है और सभी राज्यों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे बड़े चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गयी है। उन्होंने कहा कि इस दौरान अलवर में दो मेडिकल कॉलेज खुले हैं। उन्होंने कहा कि जेनरिक दवाइयों के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक कार्य हुआ है। कोरोना की वैक्सीन से न केवल अपने देश को सुरक्षित रखा बल्कि दुनिया के अन्य देशों को भी इसकी आपूर्ति की गयी। सभी जिला अस्पतालों में कैंसर डे केयर की व्यवस्था की गयी है। देश में मेडिकल क्षेत्र में क्षमता संवर्धन किया गया है। इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के अध्यक्ष डॉ विजय पाल यादव ने आगन्तुकों का आभार जताया।

बांदीकुई में ग्रामीणों के प्रदर्शन में शामिल व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इंटरचेंज (प्रवेश/निकास मार्ग) की मांग को लेकर दौसा के बांदीकुई में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति की रविवार रात मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद परिवार के सदस्य सोमवार को शव लेने के लिए तैयार हुए। बांदीकुई (दौसा) के पुलिस उपाधीक्षक रोहिताश देवंदा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया गया है। देवंदा ने बताया कि ग्रामीण बांदीकुई कस्बे के पास एक्सप्रेसवे तक पहुंच के लिए 'इंटरकट' की मांग कर रहे थे।

उनके अनुसार, रविवार को एक्सप्रेसवे के पास महापंचायत हुई और प्रदर्शन के दौरान द्वारपुरा निवासी कैलाश चंद शर्मा की तबीयत शाम करीब चार बजे खराब हो गई।

उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब नौ बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, शर्मा की मौत के बाद, परिवार के सदस्य उनका शव बांदीकुई में प्रदर्शन स्थल पर वापस ले आए और रात भर प्रदर्शन जारी रखा। वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने हटने से इनकार कर दिया। सोमवार की सुबह जब प्रदर्शनकारी एक्सप्रेसवे जाम करने के लिए आगे बढ़ने लगे, तो पुलिस ने हस्तक्षेप किया और तनाव बढ़ने से रोका। देवंदा ने बताया कि कई दौर की बातचीत के बाद, परिवार के सदस्य शव लेने के लिए राजी हो गए।

बाघ के हमले में चौकीदार की मौत

भरतपुर। राजस्थान में सवाईमाधोपुर जिले के रणथम्भौर फोर्ट में सोमवार को बाघ ने चौकीदार पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शेरपुर निवासी राधेश्याम (60) पिछले 20 वर्ष से रणथम्भौर फोर्ट स्थित जैन मंदिर में चौकीदार के रूप में सेवायें दे रहा था। सुबह वह शौच के लिये गया, तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इस क्षेत्र में पिछले दो महीने में बाघ के हमले की यह तीसरी घटना है। घटना के बाद ग्रामीणों ने सवाई माधोपुर-कुंडेरा मार्ग को जाम कर दिया है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि वन विभाग की लापरवाही के कारण यह तीसरी मौत है।

भजन लाल सरकार के क्षेत्र में मचा है बिजली-पानी को लेकर हाहाकार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में व्याप्त बिजली और पानी की गंभीर समस्या को लेकर एक बार फिर भजन लाल सरकार पर तीखा सियासी हमला बोला है। उन्होंने राज्य सरकार पर जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की अनदेखी करने और केवल अपनी उपलब्धियों का बखान करने का आरोप लगाया है। गहलोत ने अपने बयान में कहा, कल मैंने प्रदेश की बिजली की समस्या उठाई थी, तो सरकार की ओर से प्रेस वार्ता कर उपलब्धियों का बखान किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बिजली कटौती की समस्या जस की तस बनी हुई है। उनका इशारा उन सरकारी बयानों की ओर था, जिनमें सरकार बिजली आपूर्ति में सुधार का दावा कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बिजली के साथ-साथ, राजधानी जयपुर में भी पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर का उल्लेख किया, जहां पानी की किल्लत से लोग बेहाल हैं और प्रदर्शन करने पर मजबूर हो रहे हैं। गहलोत ने कहा कि पूरे प्रदेश में यही स्थिति है, जहां भीषण गर्मी के इस दौर में लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। अशोक गहलोत ने भजन लाल सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि सरकार को प्रेस वार्ता कर उपलब्धि गिनाने के बजाय बिजली-पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान देना चाहिए।

अर्जुन राम मेघवाल ने ग्यारह साल की उपलब्धियां गिनाईं, बोले 'पीएम मोदी के नेतृत्व में हम विश्व गुरु बनने की ओर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ की। दोनों नेताओं ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इन 11 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है और पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर है।

अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, 9 जून 2024 को नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। कुछ लोगों को लगता था कि गठबंधन सरकार होने से निर्णय लेने में दिक्कत होगी, लेकिन पीएम मोदी ने इसे गलत साबित किया। ऑपरेशन सिंदूर जैसे बड़े फैसले लिए गए, जीएसटी कलेक्शन बढ़ा और बुनियादी ढांचे का कोई भी काम नहीं रुका। यह पीएम मोदी के मजबूत नेतृत्व का परिणाम है।

मेघवाल ने बताया कि इन 11 सालों में सड़क, रेल, हवाई अड्डे और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में तेजी आई, जिससे देश की तस्वीर बदली है। वहीं, संजय निषाद ने कहा, 11 साल बेमिसाल रहे हैं। कई बड़े फैसले लिए। इसमें जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, राम मंदिर का निर्माण और अंग्रेजों के बनाए पुराने कानूनों को खत्म करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा, पहले अनाज गोदामों में सड़ता था और लोग भूखे मरते थे, लेकिन पीएम मोदी ने गरीबों तक मुफ्त अनाज पहुंचाया। पहले लोग पैसे की कमी से इलाज नहीं करा पाते थे, लेकिन आयुष्मान भारत योजना से गरीबों को मुफ्त और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिली।

निषाद के अनुसार, पहले अनाज और कलम की ताकत थी, लेकिन नीयत सही नहीं थी। पीएम मोदी ने सही नीतियां बनाकर देश को आगे बढ़ाया। मछुआरों और किसानों के लिए किए गए कामों का जिक्र करते हुए मंत्री निषाद ने कहा, पिछले 67 सालों में मछुआरों को सिर्फ 3 हजार करोड़ रुपये मिले, लेकिन पीएम मोदी के कार्यकाल में 41,500 करोड़ रुपये दिए गए। किसानों को भी हर तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं। उनके मुताबिक, पीएम मोदी ने अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाकर भारत को आत्मनिर्भर बनाया है। अब हम हथियार तक बेच रहे हैं।

शिक्षा मंत्री को कथित तौर पर रिश्वत देने का प्रयास

जयपुर। जयपुर में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक ने जन सुनवाई कर रहे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को कथित तौर पर रिश्वत देने का प्रयास किया। मंत्री अपने निवास पर जनसुनवाई कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक चंद्रकांत वैष्णव ने पाठ्यक्रम समिति में शामिल करने के लिए लिखित अर्जी और मिठाई का डिब्बा लेकर आया था। साथ में एक लिफाफा था जिसमें 5,000 रुपये की नकदी थी। अपने आवास पर नियमित जन सुनवाई कर रहे दिलावर ने कहा, मैंने लिफाफा यह मानकर ले लिया कि इसमें सिफारिशी पत्र होगा जैसा कि ऐसी बैठकों में आम बात है। बाद में, एक कर्मचारी ने देखा कि लिफाफे में नकदी थी।

गर्मी बरपा रही कहर : पारा 47 डिग्री पार पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गर्मी ने प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से फिर से अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पारा 47 डिग्री को पार कर गया है और गर्मी के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। राजस्थान में भीषण गर्मी का अलर्ट है। मौसम केंद्र जयपुर ने बीकानेर, श्रीगंगानगर में तेज गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 9 शहरों में येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा गर्मी श्रीगंगानगर में रही, जहां का अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जो देश का सबसे गर्म इलाका रहा। गंगानगर में शनिवार के मुकाबले रविवार को तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस बढ़कर दर्ज हुआ। यहां सुबह से लू चलनी शुरू हुई, जो देर रात तक जारी रही। भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर सरहदी इलाकों में रहा। देश में रविवार को देश के सभी इलाकों में श्रीगंगानगर सबसे ज्यादा गर्म इलाका रहा। इसके बाद दूसरे नंबर पर बीकानेर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। भीषण गर्मी के कारण रविवार को राज्य के 8 से ज्यादा शहर लू की चपेट में रहे। तेज गर्मी से लोगों को अगले दो दिन और राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग केंद्र जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में 8 से 11 जून को अधिकतम तापमान 45-47 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव/तीव्र हीटवेव चलने की प्रबल संभावना है। बीकानेर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में 8 से 10 जून के दौरान तेज धूलभरी हवाएं चल सकती है।

हमारे लिए न कोई अगड़ा है, न पिछड़ा, न दलित, कानून तोड़ने वाले को सजा मिलेगी : केशव मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके लिए न कोई अगड़ा है, न पिछड़ा और न दलित, कानून तोड़ने वाले को सजा मिलेगी चाहे वह कोई भी हो।

मौर्य ने यह भी कहा कि आप (अखिलेश यादव) बार-बार समाज को जातियों में बांटकर राजनीति करना चाहते हैं, ताकि अपना वोटबैंक और सपा को सफा होने से बचा सकें। दरअसल, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार सुबह 'एक्स पर एक लंबे पोस्ट में कहा, भाजपा की अंदरूनी राजनीति की शर्मनाक लड़ाई में अब कौशांबी (मौर्य का गृह जिला) में दो भाजपाई उपमुख्यमंत्री, दो समाज के लोगों को आपस में लड़वा रहे हैं। यादव ने पिछड़ी जाति और अगड़ी जाति के दो गुटों के बीच संघर्ष की ओर संकेत करते हुए बिना किसी का नाम लिए कहा, पहले एक उपमुख्यमंत्री ने नाइंसाफी करते हुए 'पाल' समाज के लोगों को मोहरा बनाया, फिर दूसरे उपमुख्यमंत्री ने अपने उस समाज के नाम पर झूठी सहानुभूति दिखाई, जो समाज (ब्राह्मण) इन दोनों के 'ऊपरवालों' को नहीं भाता है, इसीलिए पीछे से वो भी सक्रिय हो गये, जिनकी पहलेवाले उप मुख्यमंत्री से पुरानी खींचातान है। उन्होंने कहा, और फिर इन ऊपरवालों के ऊपरवालों की भी आपस में टकराहट है, इसीलिए केंद्र वाले कौशांबी की राजनीति करनेवालों के साथ खड़े हैं।

केंद्रीय मंत्रियों ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने की सराहना की, उपलब्धियां गिनाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल को सोमवार को सार्वजनिक सेवा में ''स्वर्णिम काल'' बताया, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए अपने संकल्प में पूरी तरह से सुसज्जित और अडिग है।

मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने के अवसर पर अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की। मोदी के कैबिनेट सहयोगियों और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के विभिन्न उपायों का उल्लेख किया, जबकि सिंह ने कहा कि भारत मजबूत, गौरवान्वित और एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने 'एक्स' पर कहा कि देश ने आर्थिक कायाकल्प, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मोदी के ''दूरदर्शी नेतृत्व'' के तहत भारत ने सेवा, सुशासन और समावेशी विकास पर आधारित ऐतिहासिक परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा, ''महिलाओं, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाने से लेकर बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा के आधुनिकीकरण तक, भारत की प्रगति तेज और दूरगामी रही है। वैश्विक नेतृत्व, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और लोगों को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण के साथ, भारत विश्व मंच पर ऊंचा स्थान रखता है।'' मंत्रियों ने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सोशल मीडिया पोस्ट में 'सेवा के 11 साल' वाले हैशटैग का इस्तेमाल किया। शाह ने कहा कि जब 2014 में मोदी ने देश की बागडोर संभाली थी, उससे पहले देश में नीतिगत पक्षाघात था। उन्होंने कहा, ''सरकार में न तो कोई नीति थी, न ही कोई नेतृत्व था और घोटाले चरम पर थे, अर्थव्यवस्था खस्ताहाल और शासन प्रणाली दिशाहीन थी।

शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में यह नया भारत 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की शक्ति के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

झारखंड :

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की तथा कहा कि उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपना बलिदान दिया।

पंद्रह नवंबर 1875 को जन्मे मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था। उनकी नौ जून 1900 को हिरासत में 25 साल की उम्र में मृत्यु हो गयी थी। गंगवार ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आदिवासी पहचान, संस्कृति और स्वाभिमान के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर हम उन्हें नमन करते हैं और अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।'' उन्होंने राजभवन और कोकर स्मारक में आदिवासी योद्धा की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान (क्रांति) का नेतृत्व करने वाले 'धरती आबा' (बिरसा मुंडा) के आदर्श हमेशा भावी पीढ़ियों को देशभक्ति और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का मार्ग दिखाते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बिरसा चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। बाद में सोरेन ने पोस्ट किया, ''धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष और आदर्श हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। जय बिरसा, जय झारखंड।''

प्रियंका गांधी ने बिहार में लिंगानुपात में गिरावट को लेकर राजग सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार में कथित तौर पर सबसे कम लिंगानुपात दर्ज किये जाने को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह इस बात का संकेत है कि राज्य की ''डबल इंजन'' सरकार ''महिलाओं के लिए खतरनाक'' साबित हो रही है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर मीडिया की एक खबर का 'स्क्रीनशॉट' साझा किया, जिसमें कहा गया कि भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय द्वारा जारी नवीनतम नागरिक पंजीकरण प्रणाली रिपोर्ट 2022 के अनुसार, बिहार में जन्म के समय सबसे कम लिंगानुपात 891 है, इसके बाद महाराष्ट्र (906), तेलंगाना (907), हरियाणा (909) और उत्तराखंड (910) का स्थान है।

प्रियंका ने कहा, ''बिहार में प्रति 1000 लड़कों पर सिर्फ 891 लड़कियां पैदा हो रही हैं। 2020 में यह अनुपात 964 था जो कि 2021 में घटकर 908 हुआ और 2022 में मात्र 891 रह गया।'' उन्होंने सवाल किया कि आखिर ऐसा क्या हो रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चों में बेटियों की संख्या लगातार गिर रही है? प्रियंका ने कहा, ''एक तरफ महिलाओं पर लगातार हो रही बर्बरता और दूसरी तरफ लिंगानुपात के मामले में देश में सबसे खराब स्थिति इस बात का संकेत है कि बिहार का 'डबल इंजन' महिलाओं के लिए खतरनाक साबित हो रहा है।''

झारखंड के मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में भी आदिवासी लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं : भाजपा

जमशेदपुर/रांची/भाषा। झारखंड के गोड्डा जिले में नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर प्रदेश की झामुमो नीत सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने दावा किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्वाचन क्षेत्र में भी आदिवासी लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने इस घटना पर उनकी 'चुप्पी' पर भी सवाल उठाया। गोड्डा जिले के सुंदर पहाड़ी थाना क्षेत्र में रविवार को शौच के लिए बाहर गयी 17 वर्षीय आदिवासी लड़की के साथ कथित तौर पर 10 लोगों ने बलात्कार किया। अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रदेश में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कहा कि यह घटना दिल दहला देने वाली है, और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उसने कहा कि आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा और कानून दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करेगा। झामुमो ने इसके साथ ही दास पर ''ऐसे संवेदनशील मामले का राजनीतिकरण करके एक नए निम्न स्तर पर गिरने'' का आरोप लगाया। दास ने कहा कि सुंदर पहाड़ी इलाका मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र बरहेट के अंतर्गत आता है। पूर्व मुख्यमंत्री दास ने एक बयान में कहा, ''मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में एक नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना भयानक है और राज्य इस घटना से शर्मिंदा है।''

हिमंत ने भारत का पक्ष रखने के लिए थरूर, ओवैसी और सुले की प्रशंसा की

राहुल पर निशाना साधा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद देश की जवाबी कार्रवाई के मद्देनजर विदेशी धरती पर भारत का पक्ष रखने के लिए शशि थरूर, असदुद्दीन ओवैसी और सुप्रिया सुले जैसे विपक्षी नेताओं की सोमवार को प्रशंसा की, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश और सशस्त्र बलों के साथ ''विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया।

राज्य विधानसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर एक प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी लगातार भारत को हुए नुकसान के बारे में पूछ रहे हैं, लेकिन कभी यह नहीं जानना चाहा कि सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान को कितना नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''मैं कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं, विशेषकर शशि थरूर का आभारी हूं, जिन्होंने विदेशी धरती पर भारत का पक्ष दृढ़ता से रखा है। न केवल उन्होंने, बल्कि असदुद्दीन ओवैसी और सुप्रिया सुले जैसे नेताओं ने भी विदेशी धरती पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्र का पक्ष रखा।'' भाजपा नेता शर्मा ने आरोप लगाया, ''वे सभी भारत के लिए खड़े थे। लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने देश के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों के साथ विश्वासघात किया है।'' गांधी पर हमला करते हुए शर्मा ने दावा किया, ''सैन्य संघर्ष के बाद नुकसान के बारे में पूछना एक अलग बात है, लेकिन उन्होंने उस समय भारत के नुकसान के बारे में पूछा, जब यह लड़ाई चल रही थी। हालांकि, उन्होंने कभी पाकिस्तान के नुकसान के बारे में नहीं पूछा।''

तेजस्वी ने पत्र का जवाब नहीं देने के लिए नीतीश पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर उस पत्र का जवाब नहीं देने के लिए निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर ''85 प्रतिशत'' करने का आग्रह किया था।

पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कुमार पर निशाना साधते हुए आश्चर्य जताया कि क्या जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख के पास ''कोई जवाब नहीं है या...नौकरशाह उन्हें संबोधित पत्र नहीं दिखाते हैं।'' बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दो पृष्ठों के पत्र की एक प्रति भी साझा की, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि आरक्षण बढ़ाने संबंधी नए विधेयकों को पारित करने के लिए विधानसभा का एक ''विशेष सत्र'' बुलाया जाना चाहिए, तथा इसके बाद इन्हें संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने का प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे इन्हें न्यायिक पड़ताल से संरक्षण मिल सके। राजद नेता ने कहा कि बिहार विधानसभा द्वारा 2023 में पारित इसी तरह के विधेयक को संवैधानिक चुनौतियों के कारण पटना उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। यादव ने कहा, ''अगर नीतीश कुमार और राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के अन्य सहयोगी जैसे (केंद्रीय मंत्री) चिराग पासवान और जीतन राम मांझी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह मांग पूरी नहीं करवा सकते, तो उन्हें गठबंधन में रहने पर शर्म आनी चाहिए।''

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने भी इस मुद्दे पर संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार की समाज के वंचित वर्गों के प्रति अच्छी मंशा नहीं है। झा ने कहा, ''हमारे (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद हमेशा से लोगों को भाजपा और उसकी मातृ संस्था आरएसएस के खिलाफ चेतावनी देते रहे हैं। अब केंद्र सरकार की पोल खुल गई है। जाति जनगणना की मांग के आगे झुकने के बाद, ऐसा लगता है कि वह आंकड़े बताने से इनकार करके इस कवायद को निरर्थक बनाने पर आमादा है।''

कांग्रेस ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर रिपोर्ट कार्ड जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर सोमवार को एक पुस्तिका जारी की, जिसमें स्थिर विकास दर, बढ़ती भुखमरी और उनके ''अधूरे वादों'' को रेखांकित किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पुस्तिका, '11 साल, विकास के झूठे वादे', इस सरकार की ''सबसे बड़ी नाकामियों और झूठ'' की पोल खोलती है।

यह पुस्तिका तैयार करने वाले एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, ''यह सरकार फर्जी खबरों और दुष्प्रचार में बहुत माहिर है। विपक्ष के तौर पर यह हमारा काम है कि हम लोगों को इस गंभीर वास्तविकता से अवगत कराएं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा की वादाखिलाफी को उजागर करने के लिए (कांग्रेस) पार्टी दस्तावेजों के दो सेट जारी कर रही है। गौड़ा ने कहा कि पुस्तिका 'एक और बार जुमला सरकार' में भाजपा द्वारा 2024 के चुनावी घोषणापत्र में किये गए वादों और उसके बाद किए गये वादों पर गौर किया गया है। उन्होंने कहा कि दूसरी पुस्तिका '11 साल झूठे विकास के वादे' है, जो भाजपा के ''खोखले वादों'' का ''विस्तृत खुलासा'' है। उन्होंने कहा, ''11 साल दस्तावेज में, सबसे पहले जिस विषय को वे (भाजपा) रेखांकित करते हैं, वह है गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सुध लेना। वे बहुत खुश हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। लेकिन भुखमरी की मूल समस्या भारत में बहुत बड़ा संकट है और यह

असमानता, अधूरे वादों को किया उजागर

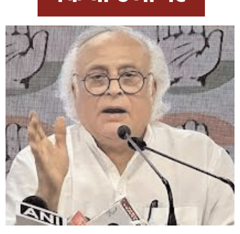

हमें वैश्विक भूख सूचकांक में 127 देशों में से 105वें स्थान पर रखती है।'' गौड़ा ने कहा, ''इसके निहितार्थ हैं: कुपोषण हमारे बच्चों को भयावह रूप से प्रभावित कर रहा है, उनके विकास को बाधित कर रहा है। कद कम बढ़ना 35.5 प्रतिशत है, दुर्बलता 19.3 प्रतिशत है, कम वजन 32.1 प्रतिशत है।'' उन्होंने कहा कि लगभग एक तिहाई भारतीय बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं, जबकि भाजपा ''विकसित भारत'' पर जोर दे रही है। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, ''आइए हम अपने प्रधानमंत्री को याद दिलाएं कि हमारे बच्चों और इनके भविष्य के प्रति उनका एक कर्तव्य है। वे (भाजपा) दावा करते हैं कि उन्होंने 2014 से 4 गुना अधिक एकलव्य आवासीय विद्यालय बनाए हैं। उन्होंने 700 से अधिक विद्यालयों की घोषणा की है, जिनमें से 300 अभी भी संचालित नहीं हो रहे हैं। क्या विद्यालय स्थापित करना और संचालित करना 'रॉकेट साइंस' है?'' कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र का यह दावा कि भारत ने स्वदेशीकरण सूची में 5,000 से अधिक रक्षा वस्तुओं को जोड़ा है, यह भी सच नहीं है।

उन्होंने कहा, ''दुख की बात है कि स्वदेशीकरण के लिए सूचीबद्ध 40 प्रतिशत वस्तुओं का अब तक स्वदेशीकरण नहीं किया गया है। भारत रक्षा उत्पादन और निर्यातक के बजाय शीर्ष आयातकों में से एक बना हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''यदि आप 'मिशन मोड डीआरडीओ परियोजनाओं' को देखें तो 55 में से 23 में देरी हो चुकी है और हमारे रक्षा बजट में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) का हिस्सा केवल 5.45 प्रतिशत है।''

प. बंगाल में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

बनर्जी ने यह बयान कोरोना वायरस के एक और प्रकोप से निपटने के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दिया उन्होंने कहा, '' आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा।'' बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कोलकाता नगर निगम समेत नगर निकायों के प्रतिनिधि और पंचायत विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बैठक में हमने तैयारियों का जायजा लिया। उम्मीद है कि महामारी कभी वापस नहीं आएगी। हमें सतर्क रहना होगा, दहशत नहीं फैलाएं।'' उन्होंने कहा, '' फेफड़ों और सीने में संक्रमण या कुछ अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अधिक सतर्क रहना होगा। कभी-कभी, उम्र भी एक कारक होती है। इन दिनों, खांसी और सर्दी के मामलों में भी, हम उन्हें कोविड के रूप में देखना शुरू कर देते हैं।'' बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार जनता के साथ थी, है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में अपेक्षित बुनियादी ढांचा मौजूद है।

अयोध्या में सर्किल रेट में 200% तक की बढ़ोतरी से जमीन की कीमतें बढ़ीं

अयोध्या (उप्र)/भाषा। आठ साल बाद अयोध्या में सर्किल रेट में 30 से 200 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से जमीन की कीमतें बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने यहां सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी स्थान और भूमि उपयोग के आधार पर की गई है।

सोमवार को लागू हुई नई दरों का खास तौर पर राम जन्मभूमि के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले इलाकों पर असर पड़ा है, जहां दरों में 150 से 200 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

सदर (फैजाबाद) तहसील के सब-रजिस्ट्रार शांति भूषण चौबे ने बताया कि सितंबर 2024 में प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद संशोधित दरें लागू की गई हैं।

उन्होंने कहा, ''आपत्तियों के समाधान के बाद जिलाधिकारी टीकाराम फुंडे ने नई सर्किल दरों को मंजूरी दे दी है और अब इन्हें लागू कर दिया गया है।''

मुझे कप्तानी पसंद है क्योंकि इससे काफी जिम्मेदारी आती है : अय्यर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले साल आईपीएल खिताब दिलाने के बाद इस साल पंजाब किंग्स को फाइनल में ले जाने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्हें कप्तानी पसंद है क्योंकि इससे वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं ।

अय्यर ने पंजाब किंग्स को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हुए 604 रन बनाये लेकिन इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। अय्यर ने सोबो मुंबई फाल्कंस को टी20 मुंबई लीग सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद कहा ,'' कप्तानी से काफी परिपक्वता और जिम्मेदारी आती है । आपसे हमेशा अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है और आप टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहते हैं । किसी भी तरह की विषम परिस्थिति या प्रतिकूलता में टीम कप्तान के ही पास आती है ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं 22 वर्ष की उम्र से कप्तानी कर रहा हूं । मुझे इसमें मजा आता है।'' अय्यर ने कहा कि दबाव वाले हालात को वह चुनौती की तरह लेते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं ।

उन्होंने कहा ,'' मैं अपने जोन में जाने की कोशिश करता हूं । मैं प्रयास करता हूं कि पूरा फोकस रहे, वर्तमान में रहूं और हालात को देखकर प्रदर्शन करूं । मैं खुद से कहता रहता हूं कि मैं चाहता हूं कि दर्शकों की जुबां पर मेरा नाम हो और इससे मुझे प्रेरणा मिलती है ।''

अय्यर ने कहा कि इस टूर्नामेंट में जाने पहचाने चेहरों के साथ खेलकर अच्छा लग रहा है जो उनके बचपन के दिनों के क्रिकेट के सफर में उनके साथ थे । उन्होंने कहा ,'' ड्रेसिंग रूम में कई जाने पहचाने चेहरे हैं । मैने क्लब क्रिकेट में , स्कूल और कॉलेज में उनके साथ खेला है । फिर यहां उनके साथ खेलकर अच्छा लग रहा है ।''

हम अतीत के दिग्गजों का सम्मान करना चाहते हैं, डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले बोले महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर केशव महाराज बुधवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ग्रीम स्मिथ और उनकी टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन रही टीम के साथी खिलाड़ियों का अनुसरण करना चाहते हैं । दक्षिण अफ्रीका ने 13 साल पहले लॉर्ड्स पर ही टेस्ट रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था । उस टीम में स्मिथ, जाक कैलिस, डेल स्टेन जैसे खिलाड़ी थे जिन्होंने इंग्लैंड को मात दी थी ।

महाराज ने कहा ,'' मुझे वह पल याद हैं जब उन्होंने गदा को उठाया था । हम अपने लिये जीतना तो चाहते ही हैं लेकिन अतीत के दिग्गजों को भी सम्मानित करना चाहते हैं । उम्मीद है कि यह खिताब जीतकर हम भी उनकी जमात में शामिल हो सकेंगे ।'' दक्षिण अफ्रीका लगातार सात टेस्ट जीतकर लंदन पहुंची है । उसे आखिरी बार फरवरी 2024 में टेस्ट मैच में पराजय मिली थी । महाराज ने कहा ,'' जब दो साल पहले यह सफर शुरू हुआ तो बहुत लोगों को नहीं लगा था कि हम यहां तक पहुंचेंगे लेकिन श्रृंखला दर श्रृंखला हम बेहतर होते चले गए । हमारे युवा और अनुभवी खिलाड़ियों में जबर्दस्त तालमेल है । हमने काफी मेहनत की है ।'' महाराज टी20 विश्व कप 2024 उपविजेता टीम का हिस्सा रहे हैं । दक्षिण अफ्रीका को वनडे विश्व कप 2023 और चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पराजय मिली । महाराज ने कहा ,'' पिछले प्रयासों में किसी ने सोचा नहीं था कि हम किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचेंगे लेकिन हम दो सेमीफाइनल और दो फाइनल में पहुंचे । हमने पिछले तीन चार साल में जिस तरह का खेल दिखाया है, उससे काफी प्रेरणा मिलती है ।''

सुविचार

कभी राधा को समझने की कोशिश मत करना, क्योंकि जब प्रेम इतना गहरा हो, तो सवाल बेकार हो जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उभरती चुनौती

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवा चुके एक व्यक्ति की पत्नी का एआई की मदद से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की घटना अत्यंत निंदनीय है। इस मामले में पुलिस की भूमिका सराहनीय रही, जिसने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना बताती है कि एआई का दुरुपयोग किस हद तक खतरनाक हो सकता है! ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किसी की मानहानि करने, अफवाहें फैलाने, आक्रोश भड़काने, ठगी करने आदि के लिए भी हो सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए जहां पुलिस को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, वहीं लोगों को विवेक से काम लेना चाहिए। सोशल मीडिया पर आने वाली हर चीज सही नहीं होती। एआई की मदद से बनाई गई सामग्री इतनी असली लगती है कि उसे देखकर भ्रम होना स्वाभाविक है। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान पर प्रहार किया जा रहा था और इस पड़ोसी देश की हालत खस्ता थी, तब भारतीय सेना की एक महिला अधिकारी का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। उसमें अधिकारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की कड़ी आलोचना करते दिखाया गया था। वीडियो पर बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक टिप्पणियां कर अधिकारी के रवैए पर सवाल उठा रहे थे। दरअसल वह वीडियो पूरी तरह फर्जी था। उसे एआई की मदद से तैयार किया गया था। वीडियो में अधिकारी के चेहरे का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक शब्द जोड़े गए थे। बहुत ध्यान से देखने पर ही पता चलता था कि वीडियो फर्जी है। भारत के खिलाफ ऐसी सामग्री आईएसआई और आईएसपीआर तैयार करती हैं।

पूर्व में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब साइबर अपराधियों ने किसी पुलिस अधिकारी की तस्वीर, जो इंटरनेट पर आसानी से मिल गई, को लेकर उससे धमकी भरा वीडियो बनाया और आम नागरिकों से ठगी की। अगर एआई की मदद से साइबर अपराधी ऐसा कर सकते हैं तो दुश्मन एजेंसियां, जिनके पास काफी संसाधन और प्रशिक्षित लोग हैं, भी भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए घातक हथकंडे आजमा सकती हैं। हाल में महाराष्ट्र के ठाणे में रक्षा प्रौद्योगिकी से जुड़ी एक कंपनी के इंजीनियर को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे किसी पाकिस्तानी महिला एजेंट ने सोशल मीडिया पर 'हनीट्रैप' किया था। आरोप है कि इंजीनियर ने उसके प्रेमजाल में फंसकर भारतीय सेना के युद्धपोत और पनडुब्बियों से संबंधित गोपनीय जानकारी भेजी थी। आईएसआई हनीट्रैप के तहत निशाना बनाने के लिए अपनी महिला एजेंटों को विशेष प्रशिक्षण देती है। उन्हें हिंदू धर्म, परंपराओं, पहनावे और हिंदी भाषा के बारे में जरूरी जानकारी देकर 'मैदान' में उतारती है। एआई आने के बाद इन सबकी ज्यादा जरूरत ही नहीं रहेगी। इस तकनीक का जानकार शख्स किसी भी महिला की तस्वीर से ऐसे वीडियो बहुत आसानी से तैयार कर सकता है, जिनका इस्तेमाल हनीट्रैप संबंधी गतिविधियों में होता है। भविष्य में इस तरह दुश्मन एजेंसियां भारत के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को निशाना बना सकती हैं, जो संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं। यही नहीं, आम नागरिक भी निशाना बन सकते हैं। जब तक उन्हें हकीकत मालूम होगी, वे बुरी तरह फंस चुके होंगे। इसके लिए सरकार को जागरूकता का प्रसार करना होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए यह अनिवार्य किया जाए कि एआई निर्मित सामग्री होने पर वे यूजर्स को बताएंगे। जिस अकाउंट से ऐसी सामग्री प्रकाशित की जाए, वह भी स्पष्ट करे कि इसमें एआई का इस्तेमाल हुआ है। उल्लंघन करने पर अकाउंट बंद होना चाहिए। सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थानों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी सोशल मीडिया से दूर ही रहें तो बेहतर है, क्योंकि अब ये प्लेटफॉर्म जासूसी के ठिकाने बनते जा रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हक़ीक़त मुंबई से आ रही दर्दनाक ख़बर में दिखती है – ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। भारतीय रेल करोड़ों की ज़िंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है।

–अशोक गहलोत

बीकानेर प्रवास के दौरान जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति बीकानेर दिशा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की एवं विकास कार्यों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

–अर्जुनराम मेघवाल

राजस्थान को जल संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत पुष्कर में जनसभा को संबोधित किया। पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन व पर्यावरण संतुलन हेतु सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मन से सुख

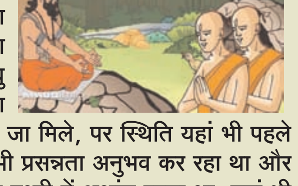

एक गुरु के दो शिष्य थे। दोनों किसान थे। भगवान का भजन पूजन भी दोनों करते थे। स्वच्छता पर दोनों की आस्था थी, किन्तु एक बड़ा सुखी था, दूसरा बड़ा दुखी। गुरु की मृत्यु पहले हुई, पीछे दोनों शिष्यों की भी। दैवयोग से स्वर्गलोक में भी तीनों एक ही स्थान पर जा मिले, पर स्थिति यहां भी पहले जैसी ही थी। जो पृथ्वी में सुखी था, यहां भी प्रसन्नता अनुभव कर रहा था और जो आए दिन क्लेश-कलह आदि के कारण पृथ्वी में अशांत रहता था, यहां भी अशांत दिखाई दिया। दुखी शिष्य ने गुरुदेव के समीप जाकर कहा, 'भगवन! लोग कहते हैं, ईश्वर भक्ति से स्वर्ग में सुख मिलता है पर हम तो यहां भी दुखी के दुखी रहे। 'गुरु ने गंभीर होकर उत्तर दिया 'वत्स! ईश्वर भक्ति से स्वर्ग तो मिल सकता है पर सुख और दुःख मन की देन हैं। मन शुद्ध हो तो नरक में भी सुख ही है और मन शुद्ध नहीं तो स्वर्ग में भी कोई सुख नहीं है।'

सामयिक

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है – बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

> **आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है।**

नजरिया

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे। परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु बमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। यहीं नहीं इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमीया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इस पुल को पानी के भीतर 1100 किलो विस्फोटक लगाकर ध्वस्त किया गया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ?

अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए। अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-अलग दिखाई दे सकता है।

यह संभावना ट्रंप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपए का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क की ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू कर विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। टंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को टंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है। मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक रणनीति में भागीदार रहे हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृष्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं। नाटो गठबंधन के 12 संस्थापक सदस्य थे। 4 अप्रैल 1949 को गठित इस गठबंधन को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन कहा जाता है। दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि

दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोशक रहा, जबकि सोविसंध साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं।

ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहाताएं भी स्थगित कर दी गईं। नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जबावी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। मसलन एक समय परमाणु हथियार निरस्त्रीकरण की जो बात हो रही थी, वह सशस्त्रीकरण की सुरक्षा की ओर बढ़ गई। क्योंकि यूक्रेन पर रूस ने जो हमला बोला था, उसकी पृष्ठभूमि में एक बड़ा कारण यूक्रेन के पास परमाणु हथियार नहीं होने की लाचारी भी रहा है। फ्रांस का यह प्रस्ताव विष्व-व्यवस्था में परमाणु सशस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के बर खिलाफ जो दम तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है।

दरअसल ये देष परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा। यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया हैं कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है। ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सीरिया में ठेकेदार को मलबे के नीचे मिला प्राचीन कब्रगाह

मरात अल-नोमान (सीरिया)/एपी

उत्तरी सीरिया में ध्वस्त हो चुके एक मकान का मलबा हटाने के बाद उस स्थान पर खुदाई कर रहे एक ठेकेदार को बीजान्टिन साम्राज्य के समय के कब्रगाह के अवशेष मिले। माना जा रहा है कि ये अवशेष 1,500 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं।

यह खोज पिछले महीने इदलिब प्रांत के मरात अल-नोमान शहर में हुई, जो रणनीतिक रूप से अलेप्पो और दमिश्क शहरों के बीच मार्ग पर स्थित है। यह स्थान लगभग 14 वर्ष तक चले उस सीरियाई गृहयुद्ध में एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था, जो दिसंबर में विद्रोहियों के आक्रमण में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के साथ समाप्त हो गया।

असद की सेना ने 2020 में विपक्ष के कब्जे से इस क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया था। घरों को लूटा गया और ध्वस्त कर दिया गया। ऊपर से ली गयी क्षेत्र की तस्वीरों में कई घर अभी भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनकी छतें नहीं हैं।

अब निवासी वापस आकर पुनर्निर्माण करने लगे हैं। पुनर्निर्माण परियोजना के दौरान पत्थर के रास्ते पाए गए जो प्राचीन कब्रों की मौजूदगी का संकेत देते हैं।

निवासियों ने पुरावशेष निदेशालय को इसकी सूचना दी, जिसने स्थल का निरीक्षण करने और उसे सुरक्षित करने के लिए एक विशेष टीम भेजी। जमीन के ऊपर यह एक रिहायशी इलाका है जिसमें सिंडर-ब्लॉक की इमारतों की कतारें हैं, जिनमें से कई युद्ध में क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

इदलिब में पुरावशेषों के निदेशक हसन अल-इस्माइल ने कहा, क्रॉस और मिट्टी के बर्तनों और कांच के टुकड़ों की उपस्थिति के आधार पर कहा जा सकता है कि यह मकबरा बीजान्टिन काल का है। मध्ययुगीन काल में रोमन साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बीजान्टिन साम्राज्य साम्राज्य चौथी शताब्दी में पश्चिम में रोमन साम्राज्य के पतन के बाद अस्तित्व में आया और 1453 में ओटोमन साम्राज्य द्वारा इसका पतन किए जाने तक चला।

आव्रजन पर बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप के नए यात्रा प्रतिबंध लागू

वाशिंगटन/एपी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 12 अफ्रीकी और पश्चिम एशियाई देशों के नागरिकों के अमेरिका यात्रा करने पर लगाए गए नए प्रतिबंध सोमवार से प्रभावी हो गए।

यह प्रतिबंध राष्ट्रपति के आव्रजन प्रवर्तन अभियान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच लगाया गया है।

ट्रंप ने बीते बुधवार को इस नई घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे। यह प्रतिबंध अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन के नागरिकों पर लागू होते हैं।

इसके अलावा बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेज़ुएला के उन नागरिकों पर भी सख्त शर्तें लागू की जाएंगी जो अमेरिका के बाहर हैं और जिनके पास वैध वीज़ा नहीं है। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, नए प्रतिबंध के तहत सूची में शामिल देशों के लोगों को पहले जारी किए गए वीज़ा रद्द नहीं होंगे।

हालांकि, यदि कोई आवेदक इस प्रतिबंध से छूट के लिए निर्धारित सीमित मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो सोमवार से उसके वीज़ा आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

न्यू जर्सी के नेवार्क हवाई अड्डे पर फ्लोरिडा स्थित अपने गृह राज्य की उड़ान का इंतजार कर रही हैती मूल की अमेरिकी नागरिक एल्वानीज़ लुई-जस्ट ने कहा कि कई हैतीवासी अमेरिका आना इसलिए चाहते हैं क्योंकि वे अपने देश में फैली हिंसा और अशांति से बचना चाहते हैं।

लुई-जस्ट (23) ने यात्रा प्रतिबंध पर कहा, मेरा परिवार हैती में है, इसलिए यह देखकर और सुनकर बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह अच्छी बात है। मुझे लगता है कि यह बहुत परेशान करने वाला है।

कई आव्रजन विशेषज्ञों का कहना है कि नया प्रतिबंध वीजा आवेदन प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करके किसी भी अदालती चुनौती को मात देने के लिए बनाया गया है और यह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जल्दबाजी में लिखे गए कार्यकारी आदेश की तुलना में अधिक सावधानी से तैयार किया गया प्रतीत होता है, जिसमें मुख्य रूप से मुस्लिम देशों के नागरिकों को प्रवेश से वंचित किया गया था।

इस प्रतिबंध की कई शरणार्थी और मानवीय सहायता संगठनों ने निंदा की है।

ऑक्सफैम अमेरिका की अध्यक्ष एबी मैक्समैन ने कहा, यह नीति राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर सामाजिक विभाजन पैदा करने और अमेरिका में सुरक्षा व अवसर की तलाश कर रहे समुदायों को बदनाम करने की कोशिश है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने इस यात्रा प्रतिबंध की कड़ी निंदा की है और एक बयान में इसे वेनेजुएला के नागरिकों को बदनाम करने और अपराधी के रूप में दर्शाने का अभियान बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी के किए गए कार्य 'न भूतो, न भविष्यति' जैसे हैं: यादव

भोपाल/भाषा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले वर्तमान दौर को भारत का 'स्वर्णिम' काल करार दिया और कहा कि उन्होंने जो कार्य किए हैं उसे न तो पहले किसी ने किया है और ना ही भविष्य में कोई कर सकेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने नौ जून, 2024 को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं वर्षगांठ मना रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी जीत दर्ज करके वह फिर से देश का प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''वर्तमान दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह 'न भूतो, न भविष्यति' (ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और भविष्य में भी नहीं होगा) है।'' उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है की 2029 में भी देश को नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए प्रधानमंत्री ने रूस से सस्ता कच्चा तेल लेने के साथ ही इजराइल व अमेरिका से प्राप्त उन्नत सुरक्षा तकनीक से देश को लैस किया। उन्होंने कहा, ''यह उन्हीं के साहस और सामर्थ्य से संभव हुआ।'' यादव ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भी प्रधानमंत्री की सराहना की और कहा कि इस अभियान के माध्यम से उन्होंने 'चमत्कार' कर दिखाया।

'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान चोटिल थीं सान्या मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

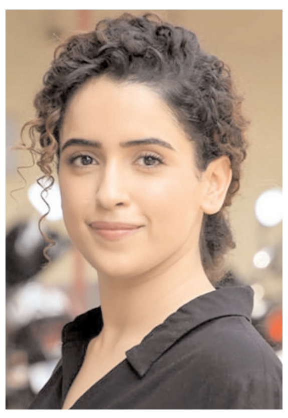

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बधाई हो' को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के गाने 'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान वह चोटिल थीं। सान्या मल्होत्रा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के समय वह चोटिल थीं, उन्हें टांके लगे थे, और उनकी चोट ताजा थी। यह बात सान्या ने मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ उनके यूट्यूब व्लॉग में बातचीत के दौरान साझा की। व्लॉग वीडियो में सान्या मल्होत्रा, फराह खान के साथ बुरिटो बाउल डिश का लुत्फ उठाती और अपनी फिल्मी यात्रा पर चर्चा करती नजर आईं। 'मोरनी बनके' गाने की शूटिंग का जिक्र करते हुए सान्या ने बताया कि वह फिल्म 'पटाखा' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनकी बांह पर टांके लगे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 'मोरनी बनके' की शूटिंग की। सान्या ने हंसते हुए बताया, यही नहीं, मैं दोबारा गिर गई थी। 'बधाई हो' के गाने की शूटिंग के लिए फर्श को तेल से चमकाया गया था ताकि वह चमकदार दिखे। मैं चल रही थी और जैसे ही गाने की लाइन आई, 'कैटवॉक वाली बेबी है तेरी चाल' पर स्टेप के दौरान मैं फिसल गई। मैंने इस मजेदार पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें मैं फिसलने के बाद हंस रही थी। फराह ने मजाक में कहा कि जिस फिल्म में हीरोइन गिरती है, वह हिट हो जाती है। उन्होंने 'कल हो ना हो' के एक सीन का उदाहरण भी दिया।

फराह ने सान्या की 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज' और उनके अब तक के करियर के बारे में भी पूछा। सान्या ने बताया कि उन्होंने 9 साल में 14-15 फिल्में की हैं। फराह ने पूछा कि क्या सान्या ने कभी एक्टिंग स्कूल या क्लासेज की? तो सान्या ने जवाब दिया कि वह ऑडिशन के जरिए इंडस्ट्री में आईं और उनकी पहली मुलाकात फराह से ही हुई थी।

शिवाजी वर्षगांठ

नागपुर में शिवाजी महाराज चौक, महल में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 352वीं वर्षगांठ के समारोह को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए।

सीरीज़ 'मिस्त्री' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बनिजय एशिया द्वारा यूनिवर्सल इंटरनेशनल स्टूडियोज़ के सहयोग से निर्मित और ऋषभ सेठ द्वारा निर्देशित क्राइम ड्रामा सीरीज़ 'मिस्त्री' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियोहॉटस्टार ने 'मिस्त्री' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह एक थ्रिलर सीरीज़ है, जिसमें रहस्य, रोमांच और चतुराई का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा। इस सीरीज़ में राम कपूर, अरमान मिस्त्री के किरदार में नजर आएंगे। 'मिस्त्री' 27 जून 2025 से, सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज चर्चित अमेरिकी सीरीज़ मॉन्क का भारतीय रूपांतरण है। इसका निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है और इसे बनिजय एशिया ने यूनिवर्सल इंटरनेशनल स्टूडियोज़ के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। सीरीज़ में राम कपूर अतरंगी लेकिन तेजतर्रार डिटेक्टिव अरमान मिस्त्री के किरदार में हैं। वहीं मोना सिंह, सहमत के रोल में उनकी निडर और तेज़ साथी बनी हैं।

इनके साथ शिखा तलसानिया जोश से भरी शरन्या के किरदार में और क्षितीश दाते जुनूनी पुलिसवाले बंटी की भूमिका में नजर आएंगे। राम कपूर ने कहा, अरमान अब तक के सबसे अजीब लेकिन दिलचस्प किरदारों में से एक है जिसे मैंने निभाया है। उसकी अजीबोगरीब आदतें सिर्फ आदतें नहीं हैं, बल्कि उसके जीने का तरीका है। एक बेतरतीब दुनिया में अपने लिए कुछ कायदे बनाने का जरिया। वो जहां भी जाता है, वहां की उलझनों से सच्चाई निकाल लाता है। इस प्रोजेक्ट पर काम करना और 'मिस्त्री' को अपनाना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। मिस्त्री अजीब है, मजेदार है, बेपरवाह है और दिल से जुड़ा हुआ है। मैं दर्शकों के जियोहॉटस्टार पर उससे मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

मोना सिंह ने अपने किरदार 'सहमत' के बारे में बताया, सहमत एक मजबूत और आत्मविश्वास से भरी महिला है, जो कहानी में बेहद अहम भूमिका निभाती है।

वह अरमान मिस्त्री की अजीब आदतों से बचती नहीं, बल्कि उन्हें चुनौती देती है, संतुलन बनाती है और कई बार उसे मात भी दे देती है। वह कहानी में एक मजबूत आधार है, जिसके अपने इरादे और तीखे तेवर हैं। 'मिस्त्री' आपको हंसाता है, फिर सोचने पर मजबूर करता है और फिर दोबारा हंसाता है, क्योंकि इसके किरदार जैसे हैं, वैसे ही पूरी ईमानदारी से पेश आते हैं। मुझे लगता है, यही बात दर्शकों को इससे जोड़कर रखेगी।

अनुराग कश्यप ने 'सास-बहू' सीरियल्स का उड़ाया मजाक

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर ने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, अनुराग कश्यप ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस को उनके विचार के लिए बेवकूफ कहा था। साथ ही कहा था कि नेटफ्लिक्स को भारत में शुरुआत 'सास-बहू' सीरियल्स से करनी चाहिए थी। दरअसल, हाल ही में सारंडोस निखिल कामथ के डब्ल्यूटीएफ पॉडकास्ट पर गए। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर दोबारा मौका मिलता तो वह भारत में 'सेक्रेड गेम्स' से शुरुआत नहीं करते। उनकी नजर में कई ऐसे पॉपुलर शो हैं, जो ज्यादा अच्छा काम करते हैं। सारंडोस के इस बयान को लेकर अनुराग कश्यप ने उनकी आलोचना की।

बता दें कि अनुराग कश्यप ने साल 2018 में नेटफ्लिक्स इंडिया के लिए 'सेक्रेड गेम्स' शो बनाया था। इस पर अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, नेटफ्लिक्स सीईओ टेड सारंडोस को नहीं लगता कि 'सेक्रेड गेम्स' से भारत में शुरुआत करना सही था। शायद कोई 'ज्यादा पॉपुलर' शो ज्यादा काम करता। अगर दोबारा मौका मिलता तो उन्हें 'सास-बहू' सीरियल्स से शुरुआत करनी चाहिए थी, तब ठीक चलता और अब वही कर रहे हैं। मुझे पहले से पता था कि टेक्नोलॉजी वाले कहानी कहने में बेवकूफ होते हैं, लेकिन टेड सारंडोस खुद बेवकूफी की परिभाषा हैं, यह अब पता चला। अब सब कुछ समझ में आ गया है। अनुराग के इस पोस्ट पर एकता कपूर ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की और लिखा, ''जो कलाकार सबको साथ लेकर चलने की बात करते हैं, असल में वही लोग सबसे ज्यादा ऊंच-नीच वाली सोच रखते हैं। उन्होंने आगे लिखा, तुम बहुत बेवकूफ हो... यह कहकर तुमने खुद को आगे दिखाने की कोशिश की, जैसे तुम ज्यादा स्मार्ट और कूल हो। तुम थोड़े विनम्र और समझदार बनो। यह एक ऐसी कला है जो बहुत से कलाकारों में नहीं होती। 'सास-बहू' शोज और उनका भारतीय जनता पर जो असर पड़ा है (जैसे- महिलाओं को अपनी आवाज़ मिली), इस पर शिकागो की एक मशहूर रिसर्च में अच्छी तरह से लिखा गया है!

मायानगरी को छोड़ क्यों गांव में बस गए नाना पाटेकर ?

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर क्विज आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे और हॉट सीट पर बैठे। इस दौरान उन्होंने अपने गांव लौटने और मायनगरी मुंबई से दूर रहने की वजह का खुलासा किया। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने नाना पाटेकर से सवाल पूछा, आपने जीवन में इतना कुछ हासिल किया, फिर सब कुछ छोड़कर गांव क्यों चले गए? इस पर अपने दिल की बात साझा करते हुए नाना पाटेकर ने सादगी से जवाब देते हुए कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हूं। मैं बस यहां काम करने आता हूं और फिर वापस चला जाता हूं। मैं कभी किसी पार्टी में नहीं गया, न ही शहर में ज्यादा रुका। मैं गांव का हूं और वहीं रहना पसंद करता हूं। मुझे वहां की जिंदगी अच्छी लगती है।

नाना ने भावुक होकर कहा, मुझे अपनी मां से जितना चाहिए था, उससे कई गुना ज्यादा मिला है। जरूरतें सीमित रखना बहुत आसान है। मेरे पास एसी नहीं है, क्योंकि मुझे उसकी जरूरत नहीं लगती। जैसे शहर में चारों तरफ दीवारें होती हैं, वैसे ही मेरे घर के चारों ओर पहाड़ हैं। पहाड़ों से घिरा हुआ मेरा घर है, और मैं वहीं आराम से रहता हूं। मुझे यह बहुत अच्छा लगता है। एपिसोड में नाना पाटेकर ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की भी जमकर तारीफ की। शो में एक दर्शक ने जब नाना से पूछा कि फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा? तो उन्होंने कहा, माधुरी दीक्षित के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, खूबसूरत हैं, कमाल की डांसर हैं, और उनमें वह सब कुछ है जो हर इंसान में होना चाहिए। मैं उन्हें बेहद सम्मान की नजरों से देखता हूं।

शो में आगे दर्शकों ने नाना पाटेकर से फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित को सुनाई कविता 'कैसे बताऊं मैं तुम्हें' से जुड़ा सवाल भी किया। इस पर मुस्कुराते हुए एक्टर ने जवाब दिया, वह कविता जावेद अख्तर साहब ने लिखी थी। उस फिल्म को लगभग 30-35 साल हो गए हैं, लेकिन यह कविता आज भी मुझे याद है। मैंने यह कविता माधुरी को सुनाई थी, इसलिए यह मेरे लिए भूलना मुश्किल है। आज भी ऐसा लगता है जैसे वह कविता मेरे खून में दौड़ रही हो। जब भी कोई मुझसे उस कविता के बारे में पूछता है, तो काफी सारी यादें दिल में ताजा हो जाती हैं। नाना पाटेकर शो में एक्टर उत्कर्ष शर्मा, एक्ट्रेस सिमरत कौर और लेखक-निर्देशक अनिल शर्मा के साथ आए थे।

कोविड से उबरने के बाद काम पर लौटीं जोड़ता चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी

कोविड की चपेट में आईं अभिनेत्री जोइता चटर्जी अब ठीक हैं। अभिनेत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि वह एकदम ठीक हैं और प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट आने से पहले, जोइता अपने प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार थीं। हालांकि, उनकी खराब सेहत के कारण शूटिंग को आगे बढ़ाना पड़ा। आखिरकार, निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद अभिनेत्री काम पर वापस से लौटने के लिए तैयार हैं। जोइता ने हाल ही में अपने ठीक होने के बाद काम पर वापस लौटने के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। 'बालवीर' फेम अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी रिकवरी की यात्रा आसान नहीं थी क्योंकि रिकवरी की पूरी प्रक्रिया के दौरान उन्हें लगातार 2020 और 2021 की महामारी के पुराने डर सताते रहे। अपने डॉक्टर्स और सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा, मेरे डॉक्टर्स और प्रशंसकों की प्रार्थनाओं का शुक्रिया, मैं अब कोविड से उबर चुकी हूं। मैं प्रोजेक्ट की शूटिंग और लंबे समय से पेंडिंग में पड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने के लिए अब तैयार हूं। मैं काम फिर से शुरू करने को लेकर खुश और उत्साहित हूं।

अभिनेत्री ने साझा किया कि कोविड निगेटिव रिपोर्ट आने के बावजूद वह कमजोरी महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं कोविड-19 से ठीक हो चुकी हूं और अब रिपोर्ट भी नेगेटिव आ चुकी है। लेकिन, मुझे अभी भी कमजोरी है जिसे मैं महसूस कर रही हूं। कमजोरी के साथ काम फिर से शुरू करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जोश और जुनून मुझे आगे बढ़ाता है। कमजोरी के बावजूद मुझे काम करने की ताकत देने के लिए ईश्वर का आभार। मेरे स्वस्थ होने की प्रार्थना करने वाले सभी लोगों की आभारी हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जोइता के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं। हालांकि, इनकी घोषणा अभी हुई नहीं है।

'किलर मास्क' पहन रिपोर्टर बने अक्षय कुमार, दर्शकों से जाना 'हाउसफुल 5' का हाल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून को रिलीज हुई। फिल्म के बारे में दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेचैन अक्षय कुमार ने एक अनोखा तरीका अपनाया। वह फिल्म में दिखाए किलर मास्क को पहनकर लोगों के बीच पहुंचे और दर्शकों से उनकी राय जानी। इसका वीडियो अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें वह एक सिनेमा हॉल के बाहर 'किलर मास्क' में दिखाई दे रहे हैं। वह फिल्म देखकर निकले दर्शकों से पूछ रहे हैं कि उन्हें 'हाउसफुल 5' कैसी लगी।

चूंकि एक्टर के चेहरे पर मास्क था, इसलिए दर्शक उन्हें पहचान नहीं पाए और अपनी राय दी। कई लोगों ने फिल्म की तारीफ की और कहा कि उन्हें 'हाउसफुल 5' बेहद पसंद आई। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, बस यूं ही मैंने सोचा कि किलर मास्क पहनकर 'हाउसफुल 5' का शो देखकर निकलने वाले लोगों का इंटरव्यू लूं। आखिर में पकड़ा जाने वाला था, लेकिन उससे पहले भाग गया। मस्त एक्सपीरियंस था।

इस वीडियो पर फैंस ने मजेदार कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, कोई पहचान भी नहीं पा रहा। क्रेजी पाजी! अन्य यूजर ने लिखा, मैं तो इंतजार कर रहा था कि ये मास्क उतारें, जैसे हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर करते हैं। 'हाउसफुल 5' फिल्म में कई जाने-माने सितारे हैं। इनमें संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकारों की धमाकेदार टीम है। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है।

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। इसका सीक्वल साल 2012 में रिलीज हुआ, जिसे साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। वहीं इसका तीसरा पार्ट साल 2016 में रिलीज किया गया। इसे साजिद और फरहाद की जोड़ी ने मिलकर डायरेक्ट किया। वहीं चौथा पार्ट साल 2019 में रिलीज हुआ। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया था। अब इसका पांचवां पार्ट रिलीज किया गया है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरूपुर में रविवार को माँ दुर्गा भक्त मंडल द्वारा 1418वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन मूलचन्द शर्मा के निवास पर किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बालाजी कि कृपा से काफी संख्या मे श्रद्धालु भक्त आए। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने मूलचंद शर्मा के परिवार का आभार व्यक्त किया और बताया कि सात्विक विचारों की यही प्रेरणा है। इस मौके पर मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंडल द्वारा नि:स्वार्थ भाव से नि:शुल्क तिरूपुर जिले में प्रत्येक रविवार को यह आयोजन किया जाता है। जो लगभग ढाई दशक से निरन्तर चल रहा है।

हम समस्या से लड़ना नहीं चाहते, उससे डरकर भागते हैं, अब समस्या दरवाज़े पर आ खड़ी हुई : पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ

पचास-साठ साल पहले सोचते तो आज नौबत नहीं आती, अब सामूहिक रूप से सामना करना सीखें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्रह्मांड की उत्पत्ति से सनातन है और जब तक ब्रह्मांड है तब तक सनातन रहेगा। इसे मिटाया नहीं जा सकता। सनातन कोई हजार पंद्रह सौ वर्ष पहले उदित नहीं हुआ कि उसे एक दिन जाना होगा बल्कि यह लाखों करोड़ों वर्षों से है और आगे भी इसका अस्तित्व क़ायम रहेगा। जो लोग ग़लतफ़हमी में हैं वे इसके ख़त्म होने का स्वप्न संजोए हुए हैं और ऐसे नरेटिव स्थापित करने में लगे हैं ताकि सनातनी कमज़ोर हो। और सनातनी हिंदू के साथ यह समस्या है कि वह समस्या का सामना नहीं करना चाहता, लड़ना नहीं चाहता, डर कर भागता है, इसलिए अब समस्या दरवाज़े पर आकर खड़ी हो गई है। यदि 50 साल पहले ही सामना करने की हिम्मत जुटा लेता तो आज सनातन इस मुकाम पर नहीं पहुंचता जहां कदम कदम पर उसे समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अब समय आ गया है कि हर समस्या का सामना पूरी ताक़त के साथ बेख़ौफ़ होकर सामूहिक तौर पर किया जाए तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य सुरक्षित होगा। यह विचार सनातन धर्म के प्रचारक, सशक्त वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने यहां बेंगलूरु के कुछ बुद्धिजीवियों की एक गोष्ठी में व्यक्त किए। वे यहां एसआरएस कल्चरल कमेटी के आमंत्रण पर व्याख्यान देने आए थे ।

धर्म केवल सनातन है, बाकी सब मज़हब

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा, सनातनी सबसे ज़्यादा झूठ बोलते हैं। उन्हीं के मुँह से आप सुनेंगे कि सब धर्म बराबर हैं।

पहली बात तो यह है कि धर्म केवल सनातन है क्योंकि यही एक धर्म है जिसकी उत्पत्ति की कोई तारीख़ नहीं है। यह हमेशा से था और आगे भी रहेगा क्योंकि इसे नष्ट करने के प्रयास कभी सफल नहीं हुए। यह धर्म वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, प्राचीन ग्रंथों में इसके होने के अनेक ठोस प्रमाण मिलते हैं। कुलश्रेष्ठ ने कहा, सनातन के अलावा जिन्हें धर्म कहा जाता है वे सब मज़हब हैं। जो मज़हब कुछ हज़ार वर्ष पहले आए उनकी तुलना सनातन से करने का मतलब मूर्खता ही है। कुलश्रेष्ठ ने सेकुलर शब्द को संविधान में समाविष्ट करने के पीछे तत्कालीन सरकार की दुर्भावना को उजागर करते हुए उसके कारण कालांतर में पैदा हुई समस्याओं का विस्तार से ज़िक्र किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की मंशा का भी उल्लेख किया जिसका ख़ामियाज़ा आज देश का सनातनी भुगत रहा है।

> बहुत सारे बड़े बड़े मंदिर सरकार के अधीन हैं जहां का चढ़ावा सरकार को मिलता है जबकि किसी अन्य मज़हबी स्थल के साथ ऐसा नहीं है। इस भेदभाव के ख़िलाफ़ सामूहिक आवाज़ उठनी चाहिए तभी सरकार तक बात पहुंचेगी। वर्षों पहले ही ऐसे मामलों का खुलकर सामूहिक विरोध हुआ होता और एक आंदोलन खड़ा होता तो किसी की हिम्मत नहीं होती कि हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता।

मस्जिदों से नहीं तो मंदिरों से सरकार की वसूली जायज़ कैसे ?

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि जब भारत को सेकुलर राष्ट्र घोषित कर ही दिया तो फिर हिंदुओं के साथ भेदभाव क्यों? सरकार मस्जिदों से कोई धन नहीं वसूलती जबकि मंदिरों से टैक्स के रूप में पैसा वसूलती है। अभी जानकारी मिली है कि अयोध्या के राम मंदिर ने भी 400 करोड़ रुपये का टैक्स जमा किया है। बहुत सारे बड़े बड़े मंदिर सरकार के अधीन हैं जहां का चढ़ावा सरकार को मिलता है जबकि किसी अन्य मज़हबी स्थल के साथ ऐसा नहीं है। इस भेदभाव के ख़िलाफ़ सामूहिक आवाज़ उठनी चाहिए तभी सरकार तक बात पहुंचेगी। वर्षों पहले ही ऐसे मामलों का खुलकर सामूहिक विरोध हुआ होता और एक आंदोलन खड़ा होता तो किसी की हिम्मत नहीं होती कि हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता।

लड़ाई आलू-प्याज की नहीं, सिविलाइजेशन की लड़ें

निर्भीक होकर सनातन का अलख जगाने वाले पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि आज हम इतने स्वार्थी हो गए हैं कि निजी स्वार्थ पूर्ति के लिए आलू-प्याज की लड़ाई लड़ते हैं, चवन्नी छाप नेताओं को चुनकर भेज देते हैं।आज जब इतिहास लिखा जाएगा तो आने वाली पीढ़ी पढ़ेगी कि हम फ्री के चक्कर में बिक जाते थे। चवन्नी छाप नेता हमारी बोली लगाते हैं और हम बिक जाते हैं क्योंकि हम अपने निजी हित को प्राथमिकता देते हैं। अपनी प्राथमिकता को बदलें। देश बदल रहा है, हम भी बदलें। गलत होता हुआ देखें तो विरोध करें। जो विरोध करता है उसके साथ खड़े हों। सामूहिक लड़ाई लड़ना सीखें। सच बोलने और सच का साथ देने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। कुलश्रेष्ठ ने कहा कि आस्था ठीक है लेकिन प्राथमिकता सोचसमझकर तय करें।सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन करेंगे तो सत्ता आपके दरवाज़े पर नाक रगड़ेगी। उन्होंने कहा, जब तक ज़िंदा हो, ज़िंदा होने का सबूत दीजिए। कब तक डर डरकर जीओगे। सच बोलिए, ज़ोर से बोलिए, किसी को अच्छा लगे या न लगे। गलत को खामोशी से सुन लेना और देख लेना कायरता है।

सब कुछ नष्ट हो जाएगा लेकिन सनातन संस्कृति अमिट रहेगी

सनातन प्रचार के पुरोधा पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने अनेक तथ्यों के साथ बताया कि सनातन का महत्व क्या है, हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार सनातन संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने का इंतज़ाम किया था। कैसे सनातन पंचतत्वों पर टिका है, क्यों हमारे पुरखों ने पीपल की पूजा को अहमियत दी, क्यों 12 ज्योतिर्लिंगों के बीच की दूरी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से दूरदृष्टि रखते हुए निर्धारित की गई, क्यों हमारी सभी नदियों के नाम मातृशक्ति के नाम पर रखे गए, इन सब बातों को प्रमाणिक ढंग से बताया और समझाया। उन्होंने कहा कि सब कुछ मिट जाएगा लेकिन सनातन संस्कृति अमिट रहेगी।

शिक्षा रोज़गार दिला सकती है, ज्ञान मंदिरों में मिलेगा

कुलश्रेष्ठ ने कहा, शिक्षा रोज़गार दिला सकती है लेकिन ज्ञान नहीं । ज्ञान केवल मंदिरों में मिलता है । यह हमारी गलती है कि हमने मंदिरों को आडंबर की ओट में ढक दिया है। हमने साइंटिफिकली उसके महत्व को समझने की कोशिश ही नहीं की। अपने बच्चों को सनातन के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाएं। उन्हें सवाल पूछने दीजिए, जवाब देने की योग्यता रखें। बच्चों को डाँटने डपटने का वक़्त गया, उनके मित्र बनकर समझाएं। सच है उसको झूठ का लबादा न ओढ़ाएँ। साफ़ साफ़ बताएँ तो आगे चलकर तरह तरह के जिहाद की समस्या से सामना नहीं करना पड़ेगा । पुष्पेंद्र ने कहा, हमारे आदर्श किसको मानें, इस पर काम करें और बच्चों को भी हमारे सनातनी महापुरुषों, वीरों की कहानियाँ सुनाएँ, उनके बारे में बताएँ। हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया है यह सच्चाई है लेकिन अब साहस के साथ इस झूठ से बाहर निकलने की ज़रूरत है। झूठी धारणाओं को नकारना है। मंदिर की महत्ता को समझना है। मंदिर आपकी इच्छाओं की पूर्ति या पर्यटन का स्थान नहीं है, जब यह समझ जाएँगे तो भागना बंद हो जाएगा। अपने मूल रूट की तरफ़ लौटिए, सनातन संस्कृति की शक्ति को समझिए, अपने धर्म पर गर्व कीजिए।

मेनिकॉन एवं डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल्स ने मायोपिया नियंत्रण हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत की सबसे बड़ी नेत्र चिकित्सा सेवा श्रृंखला डॉक्टर अग्रवाल आई हॉस्पिटल्स तथा जापान सरकार से समर्थित मेनिकॉन कंपनी लिमिटेड ने मायोपिया नियंत्रण अनुसंधान एवं उपचार हेतु साझेदारी करने की घोषणा की है। भारत में मायोपिया तथा डिजिटल आई स्ट्रेन (डीईएस) के मामले खतरनाक स्तर पर बढ़ रहे हैं खासतौर पर शहरों में, इस बढ़ते हुए खतरों को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर अग्रवाल हॉस्पिटल ने मेनिकॉन के साथ साझेदारी कर दृष्टि संबंधित इन समस्याओं को नियंत्रित करने तथा प्रभावी रणनीतियां बनाने पर कार्य करना प्रारंभ किया है।

इस साझेदारी पर बात करते हुए डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल के मुख्य क्लीनिकल अधिकारी डॉक्टर अश्विन अग्रवाल ने कहा कि भारत में 2050 तक मायोपिया की दर पचास प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है अतः इस दबाव वाले मुद्दे से निपटने के लिए मेनिकॉन के साथ हमारा सहयोग प्रभावी तौर पर नेत्र समस्या को बढ़ने से रोकने में सक्षम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत में हम नेत्र देखभाल में नवाचार अनुसंधान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मेनिकॉन के साथ हमारा सहयोग हमें ऑर्थोकैरेटोलॉजी लेंस के माध्यम से मायोपिया की प्रगति को धीमा करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा जो बच्चों के लिए दृष्टि सुधार में उपयोगी है। उन्होंने कहा कि दोनों संगठन ऑर्थोकैरेटोलॉजी को आगे बढ़ाने और भारत में बेहतर नेत्र स्वास्थ्य के लिए बढ़वा देने की दिशा में काम करेंगे।

मेनिकॉन कंपनी लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक सुंसुखे यामागीसी ने कहां की मायोपिया की बढ़ती चुनौतियों के साथ डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल के साथ हमारी साझेदारी इस मुद्दे से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में हमारे नैदानिक अध्ययनों के साथ हमारा लक्ष्य समाधान विकसित करना और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

साहित्यिक संगम : उत्तर और दक्षिण भारत की काव्यधाराओं का मेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'अनुभूति' संस्था के तत्वावधान में 'संगम' काव्य गोष्ठी का आयोजन कोला सरस्वती वैण्णव सीनियर सेकंडरी स्कूल, किलपॉक में सम्पन्न हुआ्। यह कार्यक्रम उत्तर और दक्षिण भारत की हिन्दी काव्य परंपराओं के मिलन का अनूठा उदाहरण बना। कार्यक्रम की शुरुआत सचिव शिल्पा बम्ब के सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुई काव्य गोष्ठी में उत्तर और दक्षिण भारत के रचनाकारों ने अपनी हिंदी कविताओं के माध्यम से संवेदना, संस्कृति और एकता का सार प्रस्तुत किया। अध्यक्ष विजय गोयल ने अपने स्वागत उद्बोधन में अनुभूति के भावी स्वरूप के बारे में सभी को बताया। फिर अनुभूति के सदस्यों सुरेश चंद तातेड़, गौतम चंद बोहरा, मिठू मिठास, रीना दास, गौतम जैन, मोनिका डागा एवं सुनीता जाजोदिया ने अपने काव्यपाठ प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में दक्षिण भारतीय कवियों का सम्मान कर उन्हें काव्यपाठ के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ ए भवानी,एस गीता,सुजाता तंगवेल, पद्मजा रामनाथन, डॉ एन गुरुमूर्ति, डॉ पूर्णिमा श्रीनिवासन, श्रीदेवी ने शानदार काव्यपाठ कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। संचालन संस्था की महासचिव नीलम सारड़ा ने भावपूर्ण शैली में किया। कार्यक्रम के अंत में सचिव शिल्पा जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

नौ संकल्प पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के स्वाध्याय भवनमें रत्न स्वर्ण वर्ष के अंतर्गत वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के चिन्तन रुपी नौ संकल्पों का विस्तृत विवेचन करते हुए अनुप्रेक्षा की। नौ संकल्प के अंतर्गत पानी बचाने का संकल्प, एक पेड़ मां के नाम लगाने, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, भारत देश दर्शन संस्कृति, परम्परा को जानना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, स्वस्थ जीवन शैली खान-पान, योग और खेल को जीवन का अंग बनाना, दीन-दु:खी की मदद करना उपरोक्त नौ संकल्पों को अपनाने की प्रेरणा की गई। श्रावक संघ के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्मिक चिन्तन से विश्व शांति संभव हैं और उन्होंने जैन धर्म के नवकार महामन्त्र, जैन धर्म के सिद्धान्तों व अनेकान्तवाद का विश्लेषण करते हुए जैन परम्परा के प्रतीक में वर्णित परस्परोपग्रहो जीवानाम् का अति सुन्दर विवेचन किया हैं। हमें प्रधानमंत्री के उपरोक्त चिन्तन रुपी नौ संकल्पों को अवश्य अपनाना चाहिए। धर्मसभा में बसन्तीदेवी कर्णावट, शशि कांकरिया, प्रेम बागमार, अभय सुराणा, कमल चोरडिया, अम्बालाल इंदरचंद कर्णावट, गौतमचन्द मुणोत, लीलमचन्द बागमार, वीरेन्द्र ओस्तवाल, योगेश श्रीश्रीमाल, कान्तिलाल तातेड़ की सामायिक परिवेश में उपस्थिति प्रमोदजन्य रही।

जिनवाणी की गूंज से गुंजायमान हुआ नेहरू बाजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरुदेव डॉ. समकितमुनि म.सा. साधारण भवन से विहार कर अशोककुमार मनीषकुमार रांका के नेहरू बाजार स्थित निवास स्थान पर दो दिवसीय मंगलमय प्रवास संपन्न हुआ। इस प्रवास के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उमंग और आध्यात्मिक ऊर्जा देखने को मिली। प्रातकालीन प्रार्थना एवं प्रभावशाली प्रवचनों ने धर्मप्रेमियों को आत्मचिंतन की ओर प्रेरित किया। समाज बंधुओं के लिए समय-समय पर धर्म चर्चा भी आयोजित हुई, जिसमें धर्म के व्यवहारिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया। गुरुदेव का विहार 10 जून को चूले स्थित अजीत कुमार मुनोत के निवास स्थान पर रहेगा। इस अवसर पर स्थानीय समाजजनों ने गुरुदेव का हर्षोल्लास से स्वागत किया एवं साधर्मी भाव से धर्मलाभ लिया।

टीपी सोलर के तमिलनाडु कारखाने में मॉड्यूल उत्पादन चार गीगावाट के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। टाटा पावर की विनिर्माण इकाई टीपी सोलर लि. ने तमिलनाडु संयंत्र में चार गीगावाट सौर मॉड्यूल उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस संयंत्र ने 31 मई, 2025 तक कुल मिलाकर 4,049 मेगावाट सौर मॉड्यूल और 1,441 मेगावाट सौर सेल का उत्पादन किया है।

टाटा पावर ने कहा, उत्पादन पर रणनीतिक ध्यान देने के साथ वित्त वर्ष 2025-26 में 3.7 गीगावाट सौर सेल उत्पादन और 3.725 गीगावाट मॉड्यूल के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। टीपी सोलर तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में देश का सबसे बड़ा सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र संचालित करती है। टाटा पावर ने अपनी अनुषंगी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लि. (टीपीआरईएल) के माध्यम से इस संयंत्र की स्थापना पर लगभग 4,300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। टीपी सोलर, टीपीआरईएल की पूर्ण अनुषंगी है। टीपीआरईएल का बेंगलुरु में भी 682 मेगावाट सौर मॉड्यूल और 530 मेगावाट सौर सेल कारखाना है।

हमें हमेशा और अच्छा करने के लिए कार्य करना चाहिए : दीपक शिंदे

'जीतो' व जेपीएफ साउथ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए 230 प्रतिभागी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो प्रोफेशनल फोरम (जेपीएफ) बेंगलूरु साउथ ने जेपीएफ फेस्ट 2025 का आयोजन रविवार को विद्यानगरपुरा के किंग्स मेडोस सभागार में किया जिसमें 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपसी जुड़ाव, नेटवर्किंग और प्रोफेशनल संबंध सशक्तिकरण था। एसपीए कैपिटल द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया, जेआईआईएफ सह-संयोजक महावीर भंसाली, जेपीएफ संयोजक रौनक गुलेच्छा, अध्यक्ष हरि किशन छाजेड़, उपाध्यक्ष हितेश गिरिया, मुख्य सचिव प्रेक्षा भंडारी, कोषाध्यक्ष रिषभ पिछाड़ी, मोटिवेशनल स्पीकर दीपक शिंदे और प्रायोजक एसपीए कैपिटल की प्रतिनिधि मोना सूत्रवे आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीपक शिंदे ने कहा कि हमारा सबसे अच्छा प्रदर्शन ही सर्वश्रेष्ठ का दुश्मन है। हमें हमेशा और अच्छा करने के लिए कार्य करना चाहिए जब तक सर्वोत्तम नहीं मिल जाता। उन्होंने प्रोफेशनल्स को अपनी सेवाओं को अधिक व्यापक बनाने और पारंपरिक प्रथाओं से परे विस्तार करके अपने व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। लोकेश ललवानी द्वारा संचालित प्रथम पैनल चर्चा में पैनलिस्ट सीए दीपक कुमार जैन, मोहित अम्बानी, कुणाल जैन और प्रदीप जैन ने दैनिक जीवन और व्यवसाय में एआई के वर्तमान और भविष्य पर चर्चा की। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती विषय के सत्र का संचालन हितेश गिरिया ने किया, जिसमें पैनलिस्ट डॉ. रतन सालेचा, डॉ. हर्षिता जैन और डॉ. मनीषा शामिल थे।

सभी डाक्टरों ने स्वस्थ आदतों, काम-जीवन संतुलन और खुशी बनाए रखने के लिए सरल दैनिक अभ्यासों पर चर्चा की। तृतीय पैनल चर्चा धन निर्माण विषय पर थी जिसे एडवोकेट रिषभ पिपाड़ा ने संचालित किया, जिसमें पैनलिस्ट सीए मनीष सिंघवी, सीए नितिन सुराणा, सीए सिद्धार्थ गांधी और मोना सूत्रवे शामिल थे। सभी पैनलिस्ट और प्रायोजकों का सम्मान किया गया। आयोजन के संयोजक लोकेश ललवानी और सह संयोजक वैभव बाफना थे तथा संचालन अदिति जैन और वैभव बाफना ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.